मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 308
रविवार, 01 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मोदी सरकार ने देश को गुमराह कियाः मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 31 मई। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को घोषणा की कि कांग्रेस सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की टिप्पणी के बाद एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा भारत की रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा की मांग करती है। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) द्वारा दिए गए साक्षात्कार के मद्देनजर कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल हैं जो पूछे जाने चाहिए। ये सवाल तभी पूछे जा सकते हैं जब संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है। युद्ध का कोहरा अब छंट रहा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे लिखा कि हमारे वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान हुआ है, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं। सीडीएस के साक्षात्कार के अनुसार, हमने इसे बनाया, इसे ठीक किया, इसे सुधारा और फिर दो दिनों के बाद इसे फिर से लागू किया और अपने सभी जेट विमानों को फिर से उड़ाया, लंबी दूरी पर निशाना साधाऱ। हम उनके दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हैं। हालाँकि, एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की माँग है। कांग्रेस पार्टी कारगिल समीक्षा समिति की तर्ज पर एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति द्वारा हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा की मांग करती है। खड़गे ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम कराने के अपने दावे को फिर दोहराया है।

यह शिमला समझौते का सीधा अपमान है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के बार-बार किए गए दावों और अमेरिकी वाणिज्य सचिव द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में दायर हलफनामे को स्पष्ट करने के बजाय, प्रधानमंत्री मोदी चुनावी तूफान में हैं, हमारे सशस्त्र बलों की वीरता का व्यक्तिगत श्रेय ले रहे हैं, उनकी बहादुरी के पीछे छिप रहे हैं और सहमत युद्ध विराम की रूपरेखा को चकमा दे रहे हैं, जिसकी घोषणा विदेश सचिव ने 10 तारीख को ट्रंप के ट्वीट के बाद की थी। क्या अब भारत और पाकिस्तान फिर से एक हो गए हैं? युद्ध विराम समझौते की शर्तें क्या हैं? 140 करोड़ देशभक्त भारतीयों को यह जानने का हक है।

धर्म के नाम पर आतंकवाद अब बंद होना चाहिएः श्रीकांत शिंदे

नई दिल्ली, 31 मई। अंतरराष्ट्रीय मंच से दिए गए एक तीखे और बेबाक संदेश में सांसद श्रीकांत शिंदे ने धर्म के नाम पर किए जा रहे आतंकवाद की निंदा की और पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा कि हमलावरों ने पीड़ितों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया - गोलीबारी करने से पहले यह जांच की कि वे हिंदू हैं या मुसलमान। उनका उद्देश्य स्पष्ट थाः भारत के सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ना। इसे रोकना होगा। शिंदे ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है और वह सीमापार आतंकवाद के

राज्य प्रायोजकों को बेनकाब करने और उन्हें अलग-थलग करने के लिए निर्णायक कार्रवाई कर रहा है।

यह बयान 28 से 30 मई, 2025 तक सिएरा लियोन की उच्चस्तरीय यात्रा के दौरान दिया गया, जहाँ शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने आतंकवाद के बढ़ते खतरे के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के भारत के कूटनीतिक प्रयासों के तहत एक सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल ने सिएरा लियोन की सरकार के प्रमुख लोगों से मुलाकात की, जिसमें उपराष्ट्रपति, संसद के अध्यक्ष, रक्षा उप मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा समन्वयक और विदेश मामलों के अधिकारी शामिल थे। इन बैठकों के दौरान, शिंदे ने आतंकवाद पर भारत के शून्य-सहिष्णुता के रुख को दोहराया और एकीकृत वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया। पहलगाम हमले की सिएरा लियोन की संसद ने सर्वसम्मति से निंदा की, जिसने पीड़ितों के लिए एक मिनट का मौन भी रखा। सिएरा लियोन के उपराष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद जुल्देह जलोह ने भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की और कायरतापूर्ण हमले की निंदा की।

गरीबों के लिए काम करती है आंध्र प्रदेश सरकार : चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश, 31 मई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि उनका लक्ष्य 2029 तक राज्य को गरीबी मुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने सरकारी नीतियों के माध्यम से वित्तीय सफलता हासिल की है, उन्हें आगे आकर वंचितों की सहायता करनी चाहिए, उन्हें हर तरह से आगे बढ़ने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कल श्रीकाकुलम जिले के एचेरला निर्वाचन क्षेत्र में मत्स्यकारा सेवालो (मछुआरों की सेवा में) कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

नायडू ने कहा कि उन्होंने एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें सलाहकार गरीबों का व्यापक रूप से मार्गदर्शन और उत्थान करेंगे। नायडू ने कहा कि यदि आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति गरीब परिवारों की हर संभव तरीके से सहायता करें, तो समाज में कोई असमानता नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने एचेरला निर्वाचन क्षेत्र के बुडगटलापलेम में मछुआरों से सीधे संवाद किया। कार्यक्रम के तहत उन्होंने बताया कि मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि के दौरान 20,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है।

इसके अलावा, बच्चों की शिक्षा का समर्थन करने के लिए, नायडू ने घोषणा की कि अगले महीने से, तल्ली की वंदनम योजना के तहत प्रत्येक छात्र को 15,000 रुपये मिलेंगे। वहीं, नायडू ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को अपनी वैश्विक उत्पाद विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए और मध्यम आय के जाल में फंसने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, ह्लआज हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। अगले दो साल में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। तीसरे स्थान तक पहुंचने तक हमारे पास कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। लेकिन असली प्रतिस्पर्धा तो अब शुरू हुई है।

दिल्ली-महाराष्ट्र-पश्चिम बंगाल समेत 7 राज्यों में एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली, 31 मई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) देश के पांच राज्यों में छापेमारी कर रही है। जांच एजेंसी आतंकी गतिविधियों से जुड़ी सूचनाओं को लेकर 5 राज्यों में कुल 15 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एनआईए उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, हरियाणा समेत कुल पांच राज्यों में छापेमारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक, एनआईए की छापेमारी कुछ बड़े वित्तीय लेन-देन, टेरर फंडिंग और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े मामले में की जा रही है। हालांकि, एनआईए ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जिससे रहस्य और गहरा गया है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष टीम शनिवार सुबह 4 बजे गोरखपुर जिले के खजनी क्षेत्र के रावतदारी गांव पहुंची। एनआईए की टीम ने गांव पहुंचकर पन्ना लाल यादव के घर पर अचानक छापेमारी शुरू कर दी। एनआईए की टीम को देखकर इलाके में सनसनी फैल गई। यह गुप्त कार्रवाई इतनी चौंकाने वाली थी कि स्थानीय लोग और पड़ोसी हैरान रह गए। इस छापेमारी का राज क्या है? और एनआईए की नजर पन्ना लाल और उसके परिवार पर क्यों पड़ी? गोरखपुर के अलावा एनआईए की टीम शनिवार सुबह 5 बजे हरियाणा के जींद जिले में पहुंची और सेक्टर 8 स्थित जिम संचालक कशिश के आवास पर छापेमारी की। एनआईए की टीम ने जिम संचालक के घर का मुख्य गेट बंद कर दिया और घर के सभी सदस्यों को अंदर रहने की हिदायत दी। इसके बाद कशिश से गहन पूछताछ शुरू की गई।

बताया जा रहा है कि जींद में यह छापेमारी एक संदिग्ध बैंक ट्रांजेक्शन से जुड़ी है, जिसमें कशिश ने अपने बैंक खाते से पैसे ऐसे खाते में ट्रांसफर किए थे, जो एनआईए की निगरानी में था। मामले में एनआईए की जांच जारी है।

एनआईए की टीम उत्तर प्रदेश, असम, बंगाल समेत 5 राज्यों में 15 जगहों पर छापेमारी कर रही है। देखना दिलचस्प होगा कि एनआईए की इस छापेमारी में क्या सामने आता है।

संजय सिंह ने बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 31 मई। आप नेता संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला किया और भाजपा के कथित घर-घर सिंदूर अभियान की आलोचना की। उन्होंने इसे एक सस्ता राजनीतिक स्टंट बताया और इसे एक राष्ट्र, एक पति योजना करार दिया। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है जिसमें दावा किया गया है कि पार्टी सिंदूर बांटने के लिए घर-घर जा रही है। संजय सिंह ने कहा, ह्क्या चुटकी सिन्दूर का महत्व है आप क्या जानते हैं मोदीजी?

एक्स पर एक पोस्ट में संजय सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में, महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सम्मान और खुशहाली के प्रतीक के रूप में सिंदूर लगाती हैं। यह गर्व, गरिमा और गहरे भावनात्मक अर्थ को दर्शाता है। लेकिन अब, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' और 'एक राष्ट्र, एक नेता' जैसी योजनाओं को आगे बढ़ाने के बाद, प्रधानमंत्री ने 'एक राष्ट्र, एक पति' की शुरूआत की है। आप नेता ने सवाल किया कि क्या इस अभियान का मतलब यह है कि देश की सभी महिलाओं से प्रधानमंत्री मोदी को अपने पति के रूप में स्वीकार करने के लिए कहा जा रहा है।

उन्होंने सवाल किया, यह कैसी मानसिकता है? क्या अब देश की सभी महिलाएं प्रधानमंत्री मोदी को अपना पति स्वीकार करेंगी? ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर भाजपा कब तक घटिया राजनीति करती रहेगी और कब तक इसे बेचती रहेगी? उन्होंने आगे कहा, पहलगाम हमले में शामिल चार पाकिस्तानी आतंकवादियों का पता नहीं चल

पाया है और पीओके को अभी तक वापस नहीं लिया गया है। भारतीय सेना का पलड़ा भारी था और वह पीओके को वापस ले सकती थी या बलूचिस्तान को भी आजाद करा सकती थी, लेकिन केंद्र ने डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में युद्धविराम का विकल्प चुना। और भाजपा कार्यकर्ता अब भारतीय महिलाओं की भावनाओं पर विचार किए बिना घर-घर जाकर सिंदूर बांट रहे हैं।

सिंह ने कहा कि क्या आपने इस परंपरा के पीछे छिपी भावनाओं के बारे में सोचा है? क्या आप उन दो चुटकी सिंदूर के महत्व को समझते हैं, मोदीजी? उन्होंने कहा कि यह सिर्फ. एक राजनीतिक नौटंकी नहीं है, यह महिलाओं का अपमान है। भारतीय महिलाएं अपने पति के लिए सिंदूर लगाएंगी, किसी राजनीतिक नेता के लिए नहीं। कृपया राजनीति के लिए हमारी परंपराओं का दुरुपयोग करने की इस कोशिश को रोकें। इससे पहले शुक्रवार को केरल में कांग्रेस इकाई ने भी भाजपा पर हमला किया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पोस्टर शेयर किया था, जिस पर 'एक राष्ट्र, एक पति' लिखा था।

आजम खान की पत्नी और बेटे के शस्त्र लाइसेंस निरस्त, दुरुपयोग की थी आशंका

लखनऊ, 31 मई। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां के परिवार को एक और झटका देते हुए रामपुर के जिलाधिकारी ने उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम खां के शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने के आदेश दिए हैं। पुलिस की विपरीत रिपोर्ट के आधार पर शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। शासकीय अधिवक्ता प्रेम किशोर पांडेय ने बताया कि डॉ. फात्मा और अब्दुल्ला के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की रिपोर्ट एक जनवरी 2022 को रामपुर के एसपी ने शस्त्र अधिनियम की धारा 17 के तहत जिलाधिकारी को दी थी।

रिपोर्ट में कहा गया था कि डॉ. फात्मा और अब्दुल्ला को फर्जी जन्म प्रमाण पत्र से जुड़े एक मामले में सात-सात साल कैद की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा अब्दुल्ला के खिलाफ 29 और डॉ. फातमा के खिलाफ 21 मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, चूंकि दोनों के खिलाफ कई मामले लंबित हैं, इसलिए शस्त्र लाइसेंस के दुरुपयोग की संभावना है। जिला मजिस्ट्रेट की अदालत में मामला दर्ज किया गया और गुण-दोष के आधार पर इसका निपटारा किया गया। दोनों के पास 0.32 बोर की रिवॉल्वर है।

प्रधानमंत्री देश भर में घूम रहे हैं, डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर क्यों नहीं दे रहे जवाबः कांग्रेस

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का दावे पर देश की राजनीति जारी है। कांग्रेस ने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सवाल खड़े किए है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए कहा कि डोनाल्ड भाई ने 21 दिन में 11 बार यह बात की है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पर कब जवाब देंगे। खेड़ा ने कहा कि अब तक 11 बार ऐसा कहा जा चुका है।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

मूल्यबोध और राष्ट्रहित बने मीडिया का आधार

हिंदी पत्रकारिता दिवस हम 30 मई को मनाते हैं। इसी दिन 1826 को कोलकाता से पं.युगुल किशोर शुक्ल ने हिंदी भाषा के पहले पत्र 'उदंत मार्तण्ड' की शुरूआत की थी। यह संयोग था या सुविचारित योजना कि उस दिन भारतीय तिथि से नारद जयंती भी थी। यानि हिंदी के पहले संपादक ने भी नारद जी अपने पुरखों के रूप में देखा। संपादकीय में उन्होंने हमें पत्रकारिता का उद्देश्य और बीज मंत्र भी यह लिखकर दिया- हिंदुस्तानियों के हित के हेत'। इस नजरिए से मूल्यबोध और राष्ट्रहित हमारी मीडिया का आधार रहा है।

इन 200 सालों की यात्रा में हमने बहुत कुछ अर्जित किया है। आज भी मीडिया की दुनिया में आदर्शों और मूल्यों का विमर्श चरम पर है। विमर्शकारों की दुनिया दो हिस्सों में बंट गयी है। एक वर्ग मीडिया को कोसने में सारी हदें पार कर दे रहा है तो दूसरा वर्ग मानता है जो रहा वह बहुत स्वाभाविक है तथा काल-परिस्थिति के अनुसार ही है। उदारीकरण और भूमंडलीकृत दुनिया में भारतीय मीडिया और समाज के पारंपरिक मूल्यों का बहुत महत्त्व नहीं है।

एक समय में मीडिया के मूल्य थे सेवा, संयम और राष्ट्र कल्याण। आज व्यावसायिक सफलता और चर्चा में बने रहना ही सबसे बड़े मूल्य हैं। कभी हमारे आदर्श महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक, विष्णुराव पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और गणेश शंकर विद्यार्थी थे, ताजा स्थितियों में वे रुपर्ट मर्डोक और जुकरबर्ग हो? सिद्धांत भी बदल गए हैं। ऐसे में मीडिया को पारंपरिक चश्मे से देखने वाले लोग हैरत में हैं। इस अंधेरे में भी कुछ लोग मशाल थामे खड़े हैं, जिनके नामों का जिक्र अकसर होता है, किंतु यह नितांत व्यक्तिगत मामला माना जा रहा है। यह मान लिया गया है कि ऐसे लोग अपनी बेचैनियों या वैचारिक आधार के नाते इस तरह से हैं और उनकी मुख्यधारा के मीडिया में जगह सीमित है। तो क्या मीडिया ने अपने नैसर्गिक मूल्यों में भी शीर्षासन कर लिया है, यह बड़ा सवाल है।

सच तो यह है भूमंडलीकरण और उदारीकरण इन दो शब्दों ने भारतीय समाज और मीडिया दोनों को प्रभावित किया है। 1991 के बाद सिर्फ मीडिया ही नहीं पूरा समाज बदला है, उसके मूल्य, सिद्धांत, जीवनशैली में क्रांतिकारी परिवर्तन परिलक्षित हुए हैं। एक ऐसी दुनिया बन गयी है या बना दी गई है जिसके बारे में कभी कुछ कहा जा चुका है। आज भूमंडलीकरण को लागू हुए चार दशक होने जा रहे हैं। उस समय के प्रधानमंत्री श्री पीवी नरसिंह राव और तत्कालीन वित्तमंत्री श्री मनमोहन सिंह ने इसकी शुरूआत की तबसे हर सरकार ने कमोबेश इन्हीं मूल्यों को पोषित किया। एक समय तो ऐसा भी आया जब श्री अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में जब उदारीकरण का दूसरा दौर शुरू हुआ तो स्वयं नरसिंह राव जी ने टिप्पणी की हहमने तो खिड़कियां खोली थीं, आपने तो दरवाजे ही उखाड़ दिएह यानी उदारीकरण-भूमंडलीकरण या मुक्त बाजार व्यवस्था को लेकर हमारे समाज में हिचकिचाहटें हर तरफ थी। एक तरफ वामपंथी, समाजवादी, पारंपरिक गांधीवादी इसके विरुद्ध लिख और बोल रहे थे, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने भारतीय मजदूर संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच जैसे संगठनों के माध्यम से इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नांकित कर रहा था। यह साधारण नहीं था कि संघ विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने वाजपेयी सरकार के वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा को ह्यअनर्थ मंत्रीह्न कहकर संबोधित किया। खैर ये बातें अब मायने नहीं रखतीं। 1991 से 2025 तक गंगा में बहुत पानी बह चुका है और सरकारें, समाज व मीडिया तीनों ह्यमुक्त बाजारह्न के साथ रहना सीख गए हैं। यानी पीछे लौटने का रास्ता बंद है। बावजूद इसके यह बहस अपनी जगह कायम है कि हमारे मीडिया को ज्यादा सरोकारी, ज्यादा जनधर्मी, ज्यादा मानवीय और ज्यादा संवेदनशील कैसे बनाया जाए। व्यवसाय की नैतिकता को किस तरह से सिद्धांतों और आदर्शों के साथ जोड़ा जा सके। यह साधारण नहीं है कि अनेक संगठन आज भी मूल्य आधारित मीडिया की बहस से जुड़े हुए हैं।

इस सारे समय में पठनीयता का संकट, सोशल मीडिया का बढ़ता असर, मीडिया के कंटेंट में तेजी से आ रहे बदलाव, निजी नैतिकता और व्यावसायिक नैतिकता के सवाल, मोबाइल संस्कृति से उपजी चुनौतियों के बीच मूल्यों की बहस को देखा जाना चाहिए। इस समूचे परिवेश में आदर्श, मूल्य और सिद्धांतों की बातचीत भी बेमानी लगने लगी है। बावजूद इसके एक सुंदर दुनिया का सपना, एक बेहतर दुनिया का सपना देखने वाले लोग हमेशा एक स्वस्थ और सरोकारी मीडिया की बहस के साथ खड़े रहेंगे। संवेदना, मानवीयता और प्रकृति का साथ ही किसी भी संवाद माध्यम को सार्थक बनाता है। संवेदना और सरोकार समाज जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है, तो मीडिया उससे अछूता कैसे रह सकता है।

सही मायने में यह समय गहरी सांस्कृतिक निरक्षता और संवेदनहीनता का समय है। इसमें सबके बीच मीडिया भी गहरे असमंजस में है। लोक के साथ साहचर्य और समाज में कम होते संवाद ने उसे भ्रमित किया है। चमकती स्क्रीनों, रंगीन अखबारों और स्मार्ट हो चुके मोबाइल उसके मानस और कृतित्व को बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में मूल्यों की बात कई बार नक्कारखाने में तूती की तरह लगती है। किंतु जब मीडिया के विमर्शकार,संचालक यह सोचने बैठेंगे कि मीडिया किसके लिए और क्यों- तब उन्हें इसी समाज के पास आना होगा। रूचि परिष्कार, मत निर्माण की अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करना होगा। क्योंकि तभी मीडिया की सार्थकता है और तभी उसका मूल्य है । लाख मीडिया क्रांति के बाद भी भरोसा वह शब्द है जो आसानी से अर्जित नहीं होता। लाखों का प्रसार आपके प्राणवान और सच के साथ होने की गारंटी नहीं है। विचारों के अनुकूलन के समय में भी लोग सच को पकड़ लेते हैं। मीडिया का काम सूचनाओं का सत्यान्वेषण ही है, वरना वे सिर्फ सूचनाएं होंगी-खबर या समाचार नहीं बन पाएंगी।

कोई भी मीडिया सत्यान्वेषण की अपनी भूख से ही सार्थक बनता है, लोक में आदर का पात्र बनता है। हमें अपने मीडिया को मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों के साथ खड़ा करना होगा, यह शब्द आज की दुनिया में बोझ भले लगते हों पर किसी भी संवाद माध्यम को सार्थकता देने वाले शब्द यही हैं। सच की खोज कठिन है पर रुकी नहीं है। सच से साथ खड़े रहना कभी आसान नहीं था। हर समय अपने नायक खोज ही लेता है। इस कठिन समय में भी कुछ चमकते चेहरे हमें इसलिए दिखते हैं क्योंकि वे मूल्यों के साथ, आदर्शों की दिखाई राह पर अपने सिद्धांतों के साथ डटे हैं। समय ऐसे ही नायकों को इतिहास में दर्ज करता है और उन्हें ही मान देता है। आइए भारतीय मीडिया के पारंपरिक अधिष्ठान पर खड़े होकर हम अपने वर्तमान को सार्थक बनाएं। - प्रो. संजय द्विवेदी

मोटोरोला ने नया प्रीमियम फ्लिप फोन मोटोरोला रेजर 60 लॉन्च किया

राँची। मोटोरोला, जो मोबाइल फोन में नए आविष्कार करने वाली दुनिया की अग्रणी कंपनी और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड है, ने अपना नया प्रीमियम फ्लिप फोन, मोटोरोला रेजर 60 लॉन्च किया। यह फोन फ्लिप फोन की दुनिया को और बेहतर बनाता है। इसे स्टाइलिश जेन जी क्रिएटर्स के लिए बनाया गया है और इसमें दुनिया का पहला जेस्चर-आधारित वीडियो रिकॉर्डिंग फीचर है। इसके साथ ही पैनटोन द्वारा प्रमाणित 100 प्रतिशत टू कलर कैमरा है, जो बेहद सटीक रंग और जीवंत तस्वीरें देता है। यह भारत का पहला फ्लिप फोन है जिसमें शानदार पर्ल मार्बल और फैब्रिक फिनिश है, जिसे प्रीमियम सामग्री से बनाया गया है। यह फोन बहुत मजबूत है, इसमें टाइटेनियम की मजबूती से लैस हिंज है जिसकी मदद से 500,000 से ज्यादा बार मोड़ा जा सकता है, साथ ही आईपी 48 धूल और पानी से सुरक्षा और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन भी है। रेजर 60 में सबसे बड़ा 3.6 इंच का पीओलेड बाहरी डिस्प्ले है, जिसमें 90हर्ट्ज रिफ्रेश रेट और डेस्क, टेंट, लैपटॉप व कैमकॉर्डर जैसे कई फ्लेक्स मोड्स हैं। यह सेगमेंट का इकलौता फ्लिप फोन है जिसमें बाहरी डिस्प्ले पर मोटोएआई और गूगल जेमिनी है, जो स्मार्ट और आसान सहायता देता है और ह्यनेक्स्ट मूवह्न सुझावों के साथ उपयोग को और सरल बनाता है। मोटोरोला रेजर 60 ने फ्लिप फोन पर विश्व की पहली जेस्चर-आधारित वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ मोबाइल वीडियोग्राफी को नया रूप दिया है, जिसमें पैनटोन द्वारा मान्य 100 प्रतिशत टू कलर कैमरा है और यह बेहद खूबसूरत विजुअल?स देता है। एयर जेस्चर कंट्रोल के साथ, यूजर्स बिना स्क्रीन छुए वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं - हथेली उठाकर रिकॉर्डिंग शुरू करें, मुट्ठी बंद करके पॉज करें, और मुट्ठी दिखाकर रिकॉर्डिंग रोकें। यह हैंड्स-फ्री फीचर व्लॉगिंग या चलते-फिरते कैंडिड मोमेंट्स कैप्चर करने के लिए शानदार है।

मातृ- पितृ प्रथम गुरु भगवान तुल्य

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

1 जून वैश्विक मातृ पितृ दिवस पर विशेष

मातृ पितृ दिवस जिसे मातृ पितृ पूजन दिवस भी कहा जाता है। इस दिन सभी धर्मों के बच्चे अपने माता-पिता की पूजा करते हैं और उन्हें तिलक, माला चढ़ाकर उनका आशीर्वाद लेते हैं। इसे कई लोग परिवार के सदस्यों के बीच बंधन को मजबूत करने और बच्चों में सम्मान, आज्ञाकारिता और विनम्रता जैसे अच्छे मूल्यों को आत्मसात करने के तरीके के रूप में देखते हैं। लोक निर्देश निदेशालय के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रत्येक वर्ष 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के स्थान पर माता-पिता पूजा दिवस के रूप में मनाया जाता है। माता-पिता को स्कूलों में आमंत्रित किया जाता है । जहां उनको पुष्पा हार पहनाकर चरण स्पर्श और मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र दुनिया भर में सभी माता-पिता को सम्मानित करने के लिए हर साल एक जून को वैश्विक मातृ-पितृ दिवस मनाता है।

भारतीय संदर्भ में पौराणिक काल में श्रवण कुमार का उदाहरण स्वर्ण अक्षरों में अंकित है,जो युगो युगो से माता पिता के प्रति संतान का दायित्व और माता पिता की महत्ता को सर्वोत्तम रूप से महिमामंडित करता है। श्रवण कुमार अपने अंधे माता पिता को अपने कंधों में रखे कांवर में बिठाकर पैदल ही तीर्थ यात्रा और माता पिता की सेवा के लिए अथक परिश्रम करते हैं। ऐसी संतान पाकर माता-पिता भी कृत कृतार्थ हो जाते हैं। अगर श्रवण कुमार नहीं होते तो शायद रामायण भी रामायण नहीं होती। रामायण की कथा के मूल में श्रवण कुमार ही तो हैं। श्रवण कुमार का रामायण की कथा से बहुत ही गहरा महत्वपूर्ण संबंध है। जब भगवान राम के पिता महाराज दशरथ ने जंगल में आखेट के समय धोखे से श्रवण कुमार पर शब्दभेदी बाण चला दिया, जिससे श्रवण कुमार की मृत्यु हो जाती है। मृत्यु पूर्व श्रवण कुमार अपने माता पिता को लेकर काफी व्यथित होते हुए महाराज दशरथ को यह ? श्राप दे देते हैं कि तुम भी अपनी संतान के वियोग में तड़पोगे और मृत्यु को प्राप्त होगे राजन,जैसे कि आज मेरे मृत्यु पश्चात मेरे माता-पिता भी मेरे वियोग में तड़प तड़प कर जान दे देंगे।(टीप:-इस उद्धरण में कुछ मत भिन्नता है! कुछ धार्मिक ग्रंथों में राजा दशरथ को श्राप देने के विषय में अलग-अलग मत हैं, अर्थात इस मत में कहा गया है कि , पुत्र की मृत्यु हो जाने पर उसके शोक में श्रवण के माता-पिता ने राजा दशरथ को श्राप दिया था) इसी श्राप के कारण ही राजा दशरथ को अपनी प्रिय संतान श्री राम का वियोग सहना पड़ा और श्री राम भगवान को चौदह वर्ष वनवास मैं जाना पड़ा। वे अगर बनवास ना जाते तो ना तो माता सीता का हरण होता और ना लंका युद्ध होता और न ही रावण का वध होता। और यह सब ना होता तो रामायण की कथा कैसे बनती ।खैर हम वापस वर्तमान की ओर आते हैं। वैश्विक मातृ-पितृ दिवस, अपने बच्चों के पालन-पोषण और सुरक्षा में परिवार की प्राथमिक जिम्मेदारी को सम्मानित और प्रतिष्ठ करता है. इसलिए, यह दिन अपने बच्चों के लिए सभी माता-पिता की निस्वार्थ प्रतिबद्धता को स्वीकार करता है, जिसमें इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन बलिदान शामिल हैं। वैश्विक मातृ-पितृ दिवस बच्चों के पालन-पोषण में माता पिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है. दुनिया भर में सभी माता-पिता को सम्मानित करने के लिए 2012 में महासभा द्वारा इस दिन को नामित किया गया था.एक छ जून 2022 को विश्व के कई देशों में मातृ - पितृ दिवस मनाया जा रहा है।

मातृ दिवस के पूरक उत्सव के रूप में पिता दिवस दुनियाभर के पिताओं के सम्मान में मनाया जाता रहा है। यह एक तरह से पितृत्व के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। पिता होने तथा उनकी सत्ता को एक गौरव का विषय मानकर उनके लिए भोज, एवं पारिवारिक गतिविधियां आयोजित की जाती है। इसके साथ ही कई अन्य रोचक बातें भी इससे संबंधित हैं। इसे मातृ दिवस का पूरक इसलिए माना गया क्योंकि इससे पहले पितृ दिवस का अस्तित्व नहीं था। जिस प्रकार स्त्री श्रम के सम्मान हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्त्री दिवस तथा मातृदिवस में मां होने के गौरव को सम्मानित करने के लिए एक दिवस आयोजित हुए उसी प्रकार इसकी भी शुरूआत हुई। समाज केवल स्त्री को ही स्त्री नहीं बनाता बल्कि एक पुरुष को भी पुरुष बनने और बने रहने को बाध्य करता है। पुरुषत्व के कारण एक पुरुष दहाड़ मारकर रो नहीं सकता, सिसक नहीं सकता, गृहस्थी में हाथ बंटा नहीं सकता, बच्चों और अपनी पत्नी के प्रति प्रेम की अभिवयक्ति खुलकर नहीं कर सकता क्योंकि इसकी इजाजत उसे समाज नहीं देता। समाज पुरुष को कठोर बने रहने, भावनाओं को काबू में करने, परिवार को, समाज को यहां तक की देश को नियंत्रण में रखने की शिक्षा देता है। इसका उदाहरण है कि भारत मे इन्दिरा गांधी के बाद भी कोई महिला प्रधानमंत्री आजतक नहीं बन पाई है, क्योंकि हमारे देश में आज भी यह रूढ़िवादी मानसिकता है कि किसी बड़े देश, वर्ग तथा बड़े काम को संभालने का हुनर केवल पुरुषों के पास है। यही हाल सेना, बड़े कार्पोरेट जगत, फिल्म, मीडिया तथा साहित्य में विद्यमान है। लेकिन सकारात्मक बात यह है कि ये रूढ़ियां अब धीरे-धीरे टूट रही हैं।

अब महिलाओं को भी इन संस्थानों में जगह मिल रही है। लेकिन यह सब इतनी आसानी से नहीं हो रहा है बल्कि इसके लिए महिलाओं ने खुद को साबित करके दिखाया है। एक लंबे संघर्ष का इतिहास रहा है। अब महिलाओं को कमजोर मानने की परंपरा को चुनौती मिल रही है। लेकिन चीजें अभी और बदलनी बाकी हैं। पुरुष को पितृसत्तात्मक बनाने में सामाजीकरण का बहुत योगदान है। बचपन से ही जेंडर के आधार पर स्त्री पुरुष में किए गए भेदभाव, स्त्री को घर के कामकाज में प्रमुखता दिया जाना और पुरुषों को सुपीरियर मानना इसकी जड़ों में है। यहां तक की किताबों, विज्ञापनों और रोजमर्रा के व्यवहार में स्त्री की हीनता की बातें दुहराई जाती हैं। आभूषण, रंग, प्रतीकों, कपड़े तथा खिलौने भी स्त्री और पुरुष के लिए अलग अलग हैं। इस स्थिति में बड़ा हो रहा बच्चा यह मानने के लिए मजबूर हो जाता है कि स्त्री तथा पुरुष के बीच में भेदभाव है।

उदाहरण के लिए छोटी कक्षाओं की पुस्तकों में चित्र के माध्यम से दिखाया जाता है कि मां रोटी बना रही है और पिता अटैची लेकर काम पर निकल रहे हैं। खिलौने भी अलग-अलग हैं। छोटी बच्चियों को जहां गुड़िया, किचन सेट आदि दिया जाता है वहीं पुरुष बच्चों को बंदूक, गाड़ी, गेम आदि । कुछ परिवारों में लड़कियों को चौदह वर्ष के बाद बाहर खेलना , बातें करना आदि से वंचित कर दिया जाता हैं। वही रंगों में भी लड़कियों के लिए गुलाबी रंग और बच्चों (पुरुष)के लिए नीले रंग का चुनाव किया जाता है ?यदि प्रतीकों के माध्यम से वस्तुओं की महानता का बंटवारा है, तो भेदभाव बनना लाजिमी है। आकाश नीला है, समुद्र नीला है यहाँ तक की पौरुष से भरे हुए देवताओं का रंग नीला है। आकाश अनंत है और समुद्र विशाल अतः रंगों के चयन में विशालता और महानता के लिए इस रंग को चुन लिया गया जबकि इनका नीला दिखना एक रासायनिक क्रिया है। अतः सभ्यता की शुरूआत में ही पुरुष प्रधानता के लिए नीले का चयन किया गया न कि गुलाबी का ।पिता ने समाज के विकास के साथ ही अपने रूप में भी परिवर्तन किया है। आज से साठ साल पहले के पिता समाज से इतना डरते थे कि अपने बच्चे को प्रेम करने पर भी उन्हें कई बातें सुना दी जाती थी। विशेष रूप से जवान हो रहे पुत्र और पुत्रियों में पुत्र पर दवाब इसलिए कि आगे चलकर उनकी संपत्ति को संभालने के काबिल बन सके, अगली पीढ़ी का वारिस बनकर लोगों पर वर्चस्व स्थापित कर सके। पिता अपने पुत्र और पुत्री की शिक्षा, व्यवसाय, वस्तुएं यहां तक की उनके सपनों पर भी दखल देते थे। उस समय के पिता अपनी पत्नियों से भी अपने माता-पिता के समक्ष प्रेम, सम्मान आदि अभिवक्त नहीं कर सकते थे, क्योकि उनका उपहास उड़ाया जाता था। आलम यह था कि स्त्रियों के किसी कार्य में मदद करना दूर की बात थी। इससे उस स्त्री का दोहरा शोषण होता था। एक तो ससुराल के लोगों द्वारा और जाने-अनजाने खुद के पति द्वारा जो कठोर व्यवहार को अपना पौरुष समझते थे। बेटे तो कई बार पिता को अनसुना भी कर जाते हैं लेकिन इसका उल्टा प्रभाव बेटियों पर पड़ता है। पिता उन्हें इज्जत और अपने सम्मान से जोड़ देते हैं कि यदि उनकी पुत्री ने खुद की मर्जी से विवाह कर लिया, प्रेम कर लिया या कोई अलग राय स्थापित कर ली तो इससे पिता की नाक कट जाएगी। नाक सदियों से स्त्री के आचरण से ही कटता आया है पुरुष चाहे कुछ भी अवांछित और असभ्य ही क्यों न कर ले।

।। मात पिता के चरणों में, सारा ब्रह्मांड समाया है।।
जिनकी ही कृपा से तो मैंने अपना यह जीवन पाया है ।।
उन मात पिता ने ही मुझको, जन्मा है पोसा पाला है ।।
बने सुखों का वृक्ष सदा, पर खुद ने सुख ना पाया है।।

उदंत मार्तंड से डिजिटल युग तक हिंदी पत्रकारिता की गौरवगाथा

-सुरेश गांधी

आज जब हम डिजिटल युग में जी रहे हैं, तब पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। एक ओर जहाँ तकनीकी विकास ने समाचारों को क्षणभर में जन-जन तक पहुँचाना संभव बना दिया है, वहीं दूसरी ओर पत्रकारिता का उद्देश्य और आत्मा कहीं पीछे छूटती प्रतीत होती है। यह विचार अत्यंत प्रासंगिक है कि पत्रकारिता मात्र एक व्यवसाय नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह समाज कल्याण का माध्यम और एक मिशन होनी चाहिए। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पत्रकारिता ने समाज को जगाने, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और राष्ट्र की चेतना को विकसित करने का कार्य किया। बाल गंगाधर तिलक का ह्लकेसरीह्ल, महात्मा गांधी का ह्लहरिजनह्ल और गणेश शंकर विद्यार्थी का ह्लप्रतापह्ल जैसे अखबार इस बात के उदाहरण हैं कि पत्रकारिता समाज के लिए एक मिशन थी। इन पत्रकारों ने अपने लेखन से सत्ता को चुनौती दी, जनता को जागरूक किया और अपने प्राणों की भी आहुति दी। तब पत्रकारिता का उद्देश्य लाभ नहीं, बल्कि सत्य और न्याय की स्थापना था। लेकिन आज मीडिया एक बहुराष्ट्रीय उद्योग बन चुका है। बड़े-बड़े मीडिया हाउस कॉर्पोरेट और राजनीतिक शक्तियों से प्रभावित हैं। टीआरपी, प्रायोजित खबरें, और ब्रेकिंग न्यूज की होड़ ने पत्रकारिता को एक उत्पाद बना दिया है। ऐसे में सवाल बड़ा सवाल तो यही है, क्या हम पत्रकारिता को एक व्यवसाय मानकर उसका मूल उद्देश्य नहीं खो रहे? जबकि पत्रकारिता का असली उद्देश्य सत्य की खोज करना, जनता की आवाज बनना, शोषितों और पीड़ितों के पक्ष में खड़ा होना, सरकार और सत्ता की जवाबदेही तय करना, सामाजिक सुधार और जन-जागरण करना। इन उद्देश्यों को केवल एक ह्लव्यवसायह्ल के दृष्टिकोण से नहीं साधा जा सकता। इसके लिए समर्पण, नैतिकता, साहस और संवेदनशीलता चाहिए। इसके लिए पत्रकारिता को मिशन बनाना होगा।

पत्रकारिता की शिक्षा में नैतिकता को अनिवार्य करना होगा। सिर्फ तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और मानवता का बोध भी आवश्यक है। स्वतंत्र और निःस्वार्थ मीडिया संस्थानों को बढ़ावा देना, जो कॉर्पोरेट दबाव से मुक्त हों और जनता के हित में कार्य करें। पत्रकारों को समाजसेवी की दृष्टि से देखना, उनकी सुरक्षा, स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा करना होगा। जनता को जागरूक होना होगा। पाठक और दर्शक यदि सच की मांग करें तो मीडिया संस्थान भी उसी दिशा में कार्य करना होगा। मतलब साफ है पत्रकारिता वह मशाल है जो अंधकार को चीर कर सत्य का प्रकाश फैलाती है। अगर यह मशाल मात्र मुनाफे की आग में जलती रहेगी, तो समाज दिशाहीन हो जाएगा। पत्रकारिता को फिर से एक मिशन बनाना होगा. जहाँ पत्रकार न केवल सूचना देने वाला हो, बल्कि एक सजग प्रहरी, एक समाज सुधारक और एक जनसेवक हो। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ह्लपत्रकारिता सत्ता की गोद में नहीं, बल्कि जनता की ओर खड़े रहने का नाम है ह्ल तभी यह व्यवसाय नहीं, एक सच्चा सामाजिक आंदोलन बन सकेगी। पत्रकारिता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पत्रकारों की भूमिका समाज में कितनी महत्वपूर्ण है। लेकिन आज के युग में जहां सच बोलने की कीमत चुकानी पड़ती है, वहां पत्रकारों की स्थिति चिंताजनक है। फिर भी कई पत्रकार विषम परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों को निभा रहे हैं, जो सराहनीय है। जरूरत है कि समाज, सरकार और मीडिया संस्थान मिलकर पत्रकारों को एक सुरक्षित, स्वतंत्र और सशक्त वातावरण प्रदान करें। वैसे भी पत्रकारिता को लोकतंत्र का चैथा स्तंभ माना जाता है। यह समाज को सच्ची और निष्पक्ष जानकारी देने, सत्ता के दुरुपयोग को उजागर करने और जनता की आवाज बनने का कार्य करती है। हर वर्ष 30 मई को ह्लहिंदी पत्रकारिता दिवसह्ल मनाया जाता है, जो पंडित युगल किशोर शुक्ल द्वारा 1826 में प्रकाशित पहले हिंदी समाचार पत्र ह्लउदंत मार्तंडह्ल की स्मृति में मनाया जाता है। यह दिवस न केवल पत्रकारों के योगदान को सम्मानित करने का अवसर है, बल्कि मौजूदा समय में उनकी भूमिका और चुनौतियों पर विचार करने का भी समय है।

खासकर आज जब हम हिंदी पत्रकारिता दिवस मना रहे हैं, यह याद रखना जरूरी है कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक मिशन है. सच्चाई को सामने लाने, सत्ता से सवाल पूछने, और समाज की आवाज बनने का मिशन। वे पत्रकार जो सीमित संसाधनों में, खतरे के साये में भी सच की रिपोटिंग करते हैं. वे हमारे लोकतंत्र के असली नायक हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पत्रकारिता ने जन-जागरण और अंग्रेजों के खिलाफ जनमत तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। गणेश शंकर विद्यार्थी, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी जैसे कई नेता स्वयं पत्रकार रहे हैं। पत्रकारिता तब एक मिशन थी... सच्चाई के लिए संघर्ष। आज पत्रकारिता मुख्यतः कॉर्पोरेट संरचनाओं के अधीन है। कई बड़े मीडिया संस्थानों के पीछे राजनीतिक या व्यावसायिक हित छिपे होते हैं। इससे पत्रकारों की निष्पक्षता और स्वतंत्रता पर असर पड़ता है। सोशल मीडिया के प्रसार से सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, परंतु सत्यापन के अभाव में झूठी खबरें भी वायरल हो जाती हैं। इससे पत्रकारों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठने लगे हैं। हाल के वर्षों में कई पत्रकारों को जान से मारने की धमकियाँ, शारीरिक हमले,

हिंदी पत्रकारिता ने एक लंबा सफर तय किया है. ह्यउदंत मार्तंडह्न की छोटी शुरूआत से लेकर आज के डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक। यह यात्रा संघर्ष, साहस और सतत निष्ठा की कहानी है। इस दिन हम सभी पत्रकारों, संपादकों, संवाददाताओं और मीडिया कर्मियों का अभिनंदन करते हैं, जो इस मिशन को जिंदा रखे हुए हैं। जी हां, हर वर्ष 30 मई को हम हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाते हैं. यह दिन न केवल एक ऐतिहासिक शुरूआत की याद दिलाता है, बल्कि एक सतत संघर्ष और सच की खोज में लगे उन पत्रकारों के समर्पण को भी सम्मानित करता है, जो निष्ठा से समाज को आईना दिखाते आए हैं। हालांकि पत्रकारिता की स्वतंत्रता तभी सुरक्षित रह सकती है जब पत्रकार निडर होकर कार्य कर सकें। हिंदी पत्रकारिता की नींव 30 मई, 1826 को रखी गई, जब पंडित जुगल किशोर शुक्ल के संपादन में कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) से ह्यउदंत मार्तंडह्न नामक पहला हिंदी समाचार पत्र प्रकाशित हुआ

और यहाँ तक कि हत्या का भी सामना करना पड़ा है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसी संस्थाएं भारत को पत्रकारों के लिए खतरनाक देशों में गिनती हैं। कई बार सत्ता प्रतिष्ठान पत्रकारों को सही सूचना देने से बचते हैं या सूचना का दुरुपयोग कर उसे दबाने की कोशिश करते हैं। सूचना का अधिकार जैसे उपकरणों का दुरुपयोग और विलंब एक बड़ी चुनौती बन चुका है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने स्वतंत्र पत्रकारिता को नया मंच दिया है। यूट्यूब चैनल, पॉडकास्ट, और ब्लॉग्स के जरिये स्वतंत्र पत्रकार आज भी जनता तक सच्चाई पहुंचा रहे हैं, भले ही संसाधनों की कमी हो।

पत्रकारिता कोई व्यवसाय नहीं है, यह समाज कल्याण के प्रति व्यक्ति का वह गुण है जो अपने निजी हित से परे पूरी मुखरता के साथ आत्म अभिव्यक्ति को स्वर देता है। हिंदी पत्रकारिता में यह विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहां पत्रकार की बिरादरी समाज में अलग रुतबा और रसूख रखती है। पत्रकार एक साधारण मनुष्य ही होता है जो अपने आसपास की घटनाओं और परिस्थितियों पर केवल सजग निगरानी ही नहीं रखता, बल्कि एक सक्षम प्रतिक्रिया भी देता है। ऐसे में हिंदी पत्रकारिता का पत्रकार किसी समुदाय का वह पहला व्यक्ति होता है जो सामाजिक और असामाजिक तत्वों से सबसे पहले आंखें मिलाता है। हालांकि, इसमें एक दूरदर्शी नजरिए की भी आवश्यकता होती है, जो किसी विषय की गंभीरता को मापने के लिए उपयोगी होती है। इसी नजरिए से हिंदी पत्रकार की मौलिक विशेषज्ञता आकार लेती है। पत्रकार किसी एक विषय या बीट के लिए अपने अनुभव का विस्तार करता है। यह विस्तार उसकी अपनी सुचिता से जुड़े दर्शक, पाठक या श्रोता वर्ग से संबंधित होता है, जो उस पत्रकार की विश्वसनीय छवि को आधार मानता है। ऐसे में हिंदी पत्रकारिता के किसी माध्यम की विश्वसनीयता भी सीधे तौर पर उस पत्रकार के विस्तार पटल से रेखांकित होती है। हिंदी पत्रकारिता के लिए चार बुनियादी बातें न बदली हैं, न बदलेंगी। इनमें पहली बात है सच्चाई की निरंतर खोज। दूसरी है बदलाव की पहल या बदलाव की दिशा में काम करना। तीसरी है आम लोगों के हितों की रखवाली और उनके भले के लिए काम करना। चैथी और संभवतः सबसे जरूरी है अपनी आजादी को बरकरार रखनाकृपूंजी, तकनीक और सत्ता, सभी से। अगर ये चारों बाधित हो रही हैं या होती हुई लगें, तो उनके लिए संघर्ष करना भी हिंदी पत्रकारों का काम है। इसमें मिलने वाली सफलता का स्तर ही उनकी असली सफलता है।

इतिहासः हिंदी पत्रकारिता की जन्मगाथा

उदंत मार्तंड की शुरूआत (1826), उदंत मार्तंड का अर्थ है ह्लसमाचारों का सूर्यह्ल। इसकी पहली प्रति 30 मई 1826 को निकाली गई थी। इसका प्रकाशन सप्ताह में एक बार, मंगलवार को होता था। मुद्रण का स्थानः 11 नंबर अमर तल्ला गली, कोलकाता। जुगल किशोर शुक्ल कानपुर के रहने वाले थे, और एक प्रतिष्ठित वकील भी थे। हिंदी भाषियों की संख्या कोलकाता में कम थी। आर्थिक संसाधनों की कमी और अंग्रेजी शासन की असहयोगी नीतियों ने इसके प्रसार को रोक दिया। 18 महीनों में ही यह अखबार बंद हो गया, लेकिन इससे हिंदी पत्रकारिता का दीपक जल उठा।

सुरक्षा का अभाव और विशेष सुरक्षा कानून की आवश्यकता

पत्रकार लोकतंत्र की आत्मा हैं, परंतु वे स्वयं आज असुरक्षित हैं। पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल उनका अधिकार नहीं, बल्कि एक स्वस्थ और स्वतंत्र समाज की नींव है। सरकार को चाहिए कि वह एक ठोस, पारदर्शी और व्यावहारिक विशेष सुरक्षा कानून बनाए, जिससे पत्रकार निर्भीक होकर अपने कर्तव्य का पालन कर सकें। पत्रकार लोकतंत्र के प्रहरी होते हैं। वे सत्ता, प्रशासन, अपराध और सामाजिक विकृतियों पर निगाह रखते हैं और जनता को सच्चाई से अवगत कराते हैं। किंतु आज जब पत्रकार सच्चाई को सामने लाने की कोशिश करते हैं, तब उन्हें धमकियों, हमलों, फर्जी मुकदमों, यहां तक कि हत्या तक का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए चिंताजनक है। पिछले कुछ वर्षों में कई पत्रकारों की हत्या हुई है (उदाहरणः गौरी लंकेश, शांतनु भौमिक, कन्हैया लाल आदि)। स्वतंत्र रिपोर्टों के अनुसार, भारत उन देशों में शामिल है जहां पत्रकारों पर हमलों के मामले सबसे अधिक हैं। कई पत्रकारों को झूठे केसों में फंसाया गया है। रिपोर्टिंग करते समय पुलिस और अधिकारियों द्वारा बदसलूकी या अरेस्ट की घटनाएँ आम होती जा रही हैं। खासकर ग्रामीण और छोटे शहरों में पत्रकार अधिक असुरक्षित है। मुख्यधारा से दूर पत्रकारों को स्थानीय नेताओं, माफिया और पुलिस प्रशासन से सीधे खतरे मिलते हैं। इन्हें कोई विशेष कानूनी सुरक्षा प्राप्त नहीं है।

मौजूदा कानून और उनकी सीमाएं

भारत में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर कोई विशिष्ट केंद्रीय कानून नहीं है। उन्हें आम नागरिकों की तरह ही प्च्ब और ब्तच्ब के तहत सुरक्षा दी जाती है। यह व्यवस्था पत्रकारों के जोखिम भरे कार्य की संवेदनशीलता को ध्यान में नहीं रखती। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया जैसे निकाय पत्रकारों के हितों की रक्षा का दावा करते हैं, लेकिन उनके पास दंडात्मक अधिकार नहीं होते। जोखिमपूर्ण कार्य

पत्रकार कई बार नक्सल प्रभावित, सीमा क्षेत्रों या राजनीतिक-अस्थिर इलाकों में रिपोटिंग करते हैं. सत्ता से टकराव, भ्रष्टाचार या अन्य अनियमितताओं को उजागर करने पर सत्ता या अपराधियों से टकराव होता है.

अन्य देशों से सीख

मैक्सिको में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए विशेष ह्लप्रोटेक्शन मेकेनिज्म फॉर ह्यूमन राइट्स डिफेंडर्स एंड जर्नलिस्ट्सह्ल लागू है. स्वीडन में पत्रकारों पर हमलों को गंभीर अपराध माना जाता है और त्वरित कार्यवाही होती है. अमेरिका में ह्लशील्ड लॉह्ल के तहत पत्रकारों के स्रोतों की रक्षा सुनिश्चित की जाती है.

संभावित विशेष सुरक्षा कानून की रूपरेखा

1. विशेष दर्जाः पत्रकारों को संवेदनशील क्षेत्रों में कार्यरत फ्रंटलाइन वर्कर के समान विशेष दर्जा देना।
2. तेज न्याय प्रणालीः पत्रकारों पर हमलों के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालतें।
3. सुरक्षा की व्यवस्थाः खतरे की सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल सुरक्षा मुहैया कराना।
4. भ्रष्टाचार उजागर करने वाले पत्रकारों को सूचना देने वालों जैसी कानूनी सुरक्षा।
5. मानवाधिकार संरक्षण आयोग की निगरानीः पत्रकारों पर हमलों की जांच स्वतंत्र एजेंसी से करवाना।

सरकारी प्रयास और घोषणाएँ (कुछ राज्यों में)

महाराष्ट्रः 2017 में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए ह्लमीडियाकर्मी सुरक्षा कानूनह्ल का ड्राफ्ट तैयार किया गया था, पर अभी तक लागू नहीं हुआ।

झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में भी ऐसे कानून की माँग की गई है लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

सिफारिशें

1. पत्रकारों की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार को एक व्यापक कानून लाना चाहिए।
2. राज्य सरकारों को भी विशेष सुरक्षा तंत्र स्थापित करने चाहिए।
3. पत्रकार संगठनों को अधिक अधिकार और स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।
4. आम नागरिकों को भी पत्रकारों की भूमिका और अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम भारत पुरस्कार से सम्मानित हुई डॉ मंजू लोढ़ा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साहित्य, समाज सेवा और राष्ट्र प्रेम की अलख जगाने वाली लोढ़ा फाउंडेशन और इंटरनेशनल जैन साहित्य संगम की अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष, परम चक्र अवॉर्ड डायरी लेखिका , सुप्रसिद्ध साहित्यकार तथा प्रेरणादायक वक्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली डॉ मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा को मुंबई सीजनझ्र 8 में डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम भारत पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 30 मई को वी बी चव्हाण ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर भारत रत्न डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम के भतीजे एपीजेएमजे शेख सलीम, यूएई की पावर वूमेन आफ लिगेसी डॉ अरशी अयूब जवेरी, पुरस्कार की संस्थापक सोनिया मेयर समेत अनेक विशिष्ट लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ मंजू लोढ़ा ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन कहे जाने वाले डॉ एपीजे अब्दुल कलाम भारत माता के ऐसे सपूत रहे जिन पर पूरे देशवासियों को गर्व है। उनकी सादगी, विनम्रता, ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा उनके परिवार में भी दिखती है। ऐसे महान व्यक्ति के नाम पर पुरस्कार प्राप्त करना अत्यंत गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उनके सेवा पथ पर एक और प्रेरणादायक उपलब्धि है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में वे पूरे मनोयोग के साथ काम करती रहेंगी।

विधायक महेश चौगुले की निधी से अटलांटा रेसीडेंसी में पानी की समस्या का होगा समाधान, पाइप लाइन का हुआ भूमि पूजन

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अंजूरफाटा क्षेत्र स्थित अटलांटा रेसीडेंसी में पानी की समस्या को लेकर रहवासियों ने पूर्व नगरसेवक निलेश चौधरी से गुहार लगाई जिसको लेकर निलेश चौधरी ने भिवंडी पश्चिम विधानसभा विधायक महेश चौगुले से अनुरोध किया और विधायक ने उनके निवेदन को स्वीकार करते हुये 21लाख रुपये की निधी मंजूर किया । वहीं मनपा आयुक्त व पानी पुरवठा अभियंता संदीप पटनावर ने 4 इंच पाइप लाइन की मंजूरी दे दी । जिसका भूमि-पूजन पूर्व नगरसेवक निलेश चौधरी , हनुमान चौधरी , नारायन चौधरी , सुरेश गडा आदि के हाथों पूजन व नारियल तोडकर किया गया । इस अवसर पर अटलांटा रेसीडेंसी रहवासियों में राजेन्द्र दुडम , श्रवन गुप्ता , रमेश अडागटला , किरन गायकवाड़ , संतोष पाटिल , भास्कर जगताप , अल्पेश भाई , रामप्रसाद गुप्ता , डा. नीरज कुमार गुप्ता आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित थे । उक्त अवसर पर सभी गणमान्य लोगों का रहवासियों द्वारा सत्कार किया गया । पूर्व नगरसेवक निलेश चौधरी ने विधायक महेश चौगुले व मनपा आयुक्त व अभियंता पटनावर का आभार व्यक्त किया ।

उत्तर भारतीय मोर्चा ने किया नव नियुक्त जिलाध्यक्ष दिलीप जैन का सम्मान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय मोर्चा द्वारा आज शांति नगर, मीरा रोड स्थित कार्यालय में मीरा भायंदर भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दिलीप जैन का स्वागत सम्मान किया गया। मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह ने शॉल और पुष्प गुच्छ से उनका सम्मान किया एवं आने वाले अच्छे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी रत्नाकर मिश्रा, नगरसेवक मनोज दुबे ,मोर्चा के जिला महासचिव कमलेश दुबे व संदीप तिवारी, रमेश मिश्रा, सुशील दुबे, वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट डीके पांडे, एडवोकेट पीआर शुक्ला, एडवोकेट मनीष तिवारी, पत्रकार महेंद्र पांडेय, उपाध्यक्ष रामानंद पांडेय व राजकुमार सिंह, युवा महामंत्री विवेक उपाध्याय, सुरेंद्र तिवारी, प्रकाश सिंह,जेपी सिंह, संतोष सिंह, ओम पांडेय, सूरज तिवारी, महिला मोर्चा से चंद्रावती त्रिपाठी, पूजा विश्वकर्मा , डॉ एसपी त्रिपाठी, कुसुम जायसवाल जिला से रथिन दत्ता, सुनील केशरी, राजेश मिश्रा, सहित अनेक लोग उपस्थित थे इसी कार्यक्रम में नवनियुक्त कनाकिया मंडल अध्यक्ष संजय मिश्रा और नवघर मंडल अध्यक्ष संतोष गुप्ता का भी सम्मान किया गया। जिलाध्यक्ष दिलीप जैन ने उत्तर भारतीय समाज के प्रति वर्षो से अपने लगाव को रेखांकित करते हुए सर्व समाज के साथ-साथ उत्तर भारतीयों के साथ हमेशा न्याय एवं हर सम्भव सहयोग करने की बात कही। संचालन कमलेश दुबे ने किया। अंत में उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पलावा पुल पर मनसे-ठाकरे गुट का संयुक्त आंदोलन

क्या मनसे और ठाकरे गठबंधन की शुरूआत?

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिल रोड पर वर्षों से अधूरे पड़े पलावा पुल के काम के विरोध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और शिवसेना (ठाकरे गुट) ने संयुक्त रूप से आक्रामक रुख अपनाया है। मनसे के पूर्व विधायक राजू पाटिल और ठाकरे गुट के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने एक साथ आकर आंदोलन किया। इस दौरान ठाकरे गुट के कार्यकर्ताओं ने हाथ में गाजर दिखाकर सरकार का विरोध किया। दोनों नेताओं ने पुल का निरीक्षण किया और पाया कि पुल का कार्य अभी भी अधूरा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह काम कब पूरा होगा और शिल रोड की भारी ट्रैफिक समस्या से लोगों को कब राहत मिलेगी। यह पुल कई वर्षों से अधर में लटका हुआ है। बेहद धीमी गति से चल रहे कार्य के कारण कल्याण-डोंबिवली के नागरिकों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस आंदोलन के चलते आगामी महापालिका चुनावों के मद्देनजर यह सवाल उठ रहा है कि क्या मनसे और ठाकरे गुट एक साथ आ सकते हैं? राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि क्या यह आंदोलन दोनों दलों की संभावित गठबंधन की शुरूआत तो नहीं?

जिला परिषद पालघर में उत्साहपूर्वक मनाई गई पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद कार्यालय में शनिवार 31 मई 2025 को पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी प्रमोद कहु और सहायक लेखा अधिकारी गुलाब कांबले ने अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में जिला परिषद के अधिकारी, कर्मचारी तथा अन्य उपस्थितों ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन और कार्यों का स्मरण किया। उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों, न्यायप्रिय शासन और जनकल्याण के प्रति उनके दृष्टिकोण की सराहना की गई। इस मौके पर वक्ताओं ने बोलते हुए कहा कि अहिल्याबाई होलकर नारी सशक्तिकरण, सुशासन और सेवा भाव की प्रतीक हैं। उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेकर समाजहित में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। जिला परिषद पालघर द्वारा हर वर्ष उनकी जयंती मनाई जाती है, ताकि नई पीढ़ी को उनके महान कार्यों और मूल्यों से अवगत कराया जा सके।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर ज्ञान प्रकाश सिंह का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई हिंदी पत्रकार संघ द्वारा उत्तर भारतीय संघ बांद्रा के सभागार कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध समाजसेवी तथा उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह को हिंदी सेवा सम्मान प्रदान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री तथा मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट आशीष शेलार के हाथों उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक संजय द्विवेदी, श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, विधायक राजहंस सिंह, पूर्व मंत्री चंद्रकांत त्रिपाठी, मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, पत्रकार विजय सिंह कौशिक, पत्रकार राजकुमार सिंह, पत्रकार सुरेंद्र मिश्र, पत्रकार विमल मिश्र, डॉक्टर बृजेश त्रिपाठी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सुंदर संचालन पत्रकार अभय मिश्र ने किया। कर्मभूमि से लेकर जन्मभूमि जौनपुर तक अपने अमिट सामाजिक कार्यों की छाप छोड़ने वाले ज्ञान प्रकाश सिंह को सम्मानित किए जाने पर अनेक सामाजिक संगठनों ने खुशी जाहिर की है।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामनारायण गोयल की ताजपोशी आज

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी इंस्पायर वर्ष 2025 - 26 के लिए रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रोटेरियन रामनारायण गोयल तथा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की नियुक्ति का शपथ ग्रहण व स्थापन समारोह रविवार 1 जून 2025 की शाम 7 बजे से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत टांकी नाका के पास स्थित टीमा हॉल में आयोजित किया जायेगा। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3141 के इंस्पायर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन डॉ मनीष मोटवानी (वर्ष 2025-26) व रोटरी क्लब के अन्य उच्च पदाधिकारीगण, स्थानीय क्लब के रोटेरियन सपरिवार तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के मान्यवर, बोईसर के गणमान्य नागरिक सम्मिलित होंगे।

ज्ञात हो कि वर्ष 2024 - 25 के वाइब्रेंट अध्यक्ष रोटेरियन विलास शहापुरे का कार्यकाल 30 जून 2025 में सफलतापूर्वक संपन्न होने जा रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल में अनेकानेक जनोपयोगी कार्य योजनाओं को सफलता पूर्वक क्रियान्वित किया जिसके लिए इसी आयोजन समारोह में उनका डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा उनका सम्मान किया जायेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के नवनियुक्त अध्यक्ष वर्ष 2025 - 26 में क्या जनोपयोगी कार्य योजनाओं को क्रियान्वित करेंगे जैसे कि

पर्यावरण,कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, आमजन के लिए कैटरेक्ट ऑपरेशन, टी बी के रोगियों के लिए पौष्टिक आहार, कुपोषित बच्चों के लिए आवश्यक कार्यक्रम,पौधारोपण कार्य, वेस्ट मैनेजमेंट यानी कि कचरे का पुनः इस्तेमाल, ब्लड डोनेशन, शालाओं में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय की स्थापना जैसे अन्य अनेक ढेर सारे जनोपयोगी कार्य करने की जो रूपरेखा उन्होंने बना रखी है। उसे वे क्रियान्वित करने की प्रक्रिया शुरू करने के बारे में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को अवगत कराएंगे जिसे वे 2025 - 26 वर्ष में क्रियान्वित करेंगे। इस अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम के साथ कार्यक्रम में शामिल मेहमानों के लिए स्वादिष्ट व्यंजन की भी व्यवस्था की जायेगी। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए परियोजना प्रभारी पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन संदीप राऊत के मार्गदर्शन में क्लब सेक्रेटरी रोटेरियन शैलेश अग्रवाल, क्लब एडमिन रोटेरियन स्मिता जाधव व रोटेरियन आरती शिंदे लगातार प्रयत्नशील हैं।

शहीद मुरली नाईक के परिजनों को विधायक पराग शाह ने 11 लाख का चेक सौंपा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के सपूत शहीद मुरली श्रीराम नाइक ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। किसान परिवार में जन्मे मुरली नाइक देश के प्रति समर्पण की भावना से देश की सेवा करने के लिए सेना में शामिल हुए। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर अभियान चलाया। आतंकवादियों का सामना करते हुए मुरली नाइक वीरगति को प्राप्त हुए। उनका परिवार घाटकोपर पूर्व के कामराज नगर में रहता है और घर के हालात काफी नाजुक हैं। परिवार का जवान बेटा देश के लिए शहीद हो गया, यह एहसास एक पिता के लिए दिल दहला देने वाला है, उसकी कमी हमेशा महसूस होगी। इस तथ्य को समझते हुए और एक छोटी सा ऋण राहत के रूप में घाटकोपर पूर्व विधानसभा के विधायक पराग शाह ने घाटकोपर के लोगों से मदद की अपील की थी। घाटकोपर के लोगों ने उचित प्रतिसाद देकर 11 लाख रुपये एकत्र किए। इस राशि का चेक आज विधायक पराग शाह द्वारा मुत्तु मरियम्मा मंदिर, कामराज नगर में शहीद मुरली नाइक के माता-पिता को सौंपा गया। इस अवसर पर विकास कामत, रवि पुज, कैप्टन स्वामीनाथन, धर्मेश गिरि, जय देसाई, विद्युत काजी, रचित त्रिवेदी, संजय दरेकर, रत्नम देवेन्द्र, तुषार कांबले, राणा सिंह, कुणाल रत्नम, सचिन भोसले, श्रीमती दीपालीताई शिरसाट, श्रीमती अर्पिता शेलार, श्रीमती अनुताई खत्री, श्रीमती हीरा मनराल सहित अनेक देशभक्त उपस्थित थे।

कोसोल एनर्जी सर्वश्रेष्ठ सोलर ब्रांड खिताब से सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति में अग्रणी, गुजरात स्थित कोसोल एनर्जी को बीएआरसी एशिया ने वर्ष 2025 का सर्वश्रेष्ठ सोलर ब्रांड खिताब से सम्मानित किया। गोवा सरकार के श्रम एवं रोजगार आयुक्त श्री एग्नेलो फर्नांडीस और हेराल्ड ग्लोबल की प्रकाशन निदेशक सुश्री चैती सेन ने ब्रांड पुरस्कार प्रदान किया। कोसोल एनर्जी की ओर से सुश्री चांदनी सभानीः एसबीयू प्रमुख - विनिर्माण और श्री नितिन सांगलेः सीईओ - सनरे सोलर ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार स्वीकार किया।

इस प्रतिष्ठित मान्यता ने सौर ऊर्जा क्षेत्र में दूरदर्शी नेता के रूप में कोसोल के स्थान को और अधिक मजबूत किया है। कोसोल को उद्योग के मानदंडों को फिर से परिभाषित करने और भारत और अमेरिका सहित वैश्विक बाजारों में ऐतिहासिक परियोजनाएं देने के लिए जाना जाता है।

कोसोल एनर्जी के सीएमडी श्री कल्पेश कलथिया ने कहा, 'ब्रांड ऑफ द ईयर 2025' पुरस्कार मिलना हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। यह उपलब्धि हमारी टीम के अथक समर्पण, हमारे भागीदारों के विश्वास और हमारे ग्राहकों के अटूट समर्थन का सम्मान है। उन्होंने आगे कहा, यह पुरस्कार अभूतपूर्व नवाचारों और संधारणीय समाधानों के साथ स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण का नेतृत्व करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है - और हमें सौर उद्योग में उत्कृष्टता के मानक को बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। कोसोल एनर्जी की बढ़ती 3.1 GWp विनिर्माण शक्ति, उच्चतम दक्षता वाले पैनल 620 Wp के लॉन्च की हाल ही में की गई घोषणा, NTPC के श्रेणी 1 प्रमाणित पैनलों के रूप में वर्गीकरण और आज प्रमुख सरकारी कंपनियों के लिए सबसे बड़े मॉड्यूल आपूर्तिकताओं और एढउ खिलाड़ियों में से एक प्रमुख खिलाड़ी होना। एनटीपीसी, एनएलसी, जीएसएफसी, जीआईपीसीएल जैसी कंपनियां इस कंपनी के नवाचार, शीर्ष-स्तरीय गुणवत्ता और हर घर तक स्वच्छ ऊर्जा पहुंचाने के अपने मिशन के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के जीवंत प्रमाण के रूप में खड़ी हैं।

सनरे - 40 से ज्यादा वर्षों के भरोसे की विरासत वाला ब्रांड, आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक सौर जल हीटिंग और रूफटॉप समाधानों में 1 मिलियन से अधिक यूजर्स इसके लाभ उठा रहे हैं। कोरम - कृषि क्षेत्र पर केंद्रित एक नए युग का ब्रांड, जो सौर पंप, सौर ड्रायर और सौर कुकर जैसी नवीन सौर खेती तकनीकें पेश करता है - जो भारत के किसानों के लिए ऊर्जा-कुशल प्रथाओं को सक्षम बनाता है। सनरे और कोरम के सभी समाधान कोसोल के उच्च दक्षता वाले, भारत में निर्मित सौर मॉड्यूल द्वारा सशक्त हैं, जो स्वच्छ प्रौद्योगिकी के लिए वास्तव में प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पालघर जिला कांग्रेस द्वारा मनाई गई पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर की जयंती

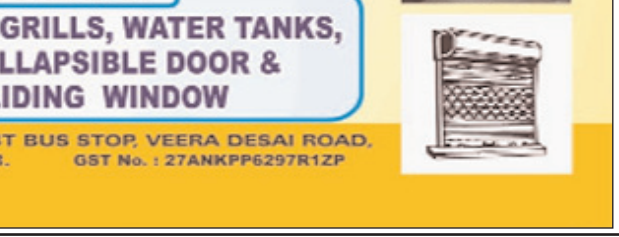

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के निदेर्शानुसार दिनांक 31 मई 2025 को सुबह 11:30 बजे पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रफुल पाटील की अध्यक्षता में कचहरी रोड स्थित कांग्रेस भवन, पालघर में पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राजमाता पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर की गई। इस अवसर पर कांग्रेस के सभी कार्यकताओं ने उन्हें पुष्पांजली अर्पित की।

इस कार्यक्रम में पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रफुल पाटील ने राजमाता पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर के जीवन, उनके शासनकाल, न्यायप्रियता, सामाजिक कार्य और सुशासन की परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार अहिल्यादेवी होलकर ने अपने कार्यों से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी एड. सुधीर जैन, संगीता धोंडे, सिकंदर शेख, सुरेंद्र शेट्टी, रामप्रकाश निराला, एड. मनोज दांडेकर, प्रह्लाद सावंत, एकनाथ वेखंडे, रोशन पाटील, किरण अप्पा पाटील, आशाद चुनावाला, मनोहर दांडेकर, समर्थ मल्हारी तथा शेलाप्रसाद सहित जिले के अनेक कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्थानीय अनुबंधित शिक्षक भर्ती का मसला सुलझा, स्थानिक युवाओं में खुशी की लहर

पालघर(उत्तरशक्ति)। पिछले एक वर्ष से लंबित पड़ा स्थानीय अनुबंधित शिक्षक भर्ती का मुद्दा आखिरकार सुलझ गया है। इस निर्णय से स्थानीय युवाओं को रोजगार का बड़ा अवसर मिला है, जिससे जिले भर में शिक्षकों और शिक्षा प्रेमियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। खास तौर पर कक्षा पहली से पाँचवीं तक गणित, भाषा और समाजशास्त्र विषयों के लिए शिक्षकों की भर्ती से प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। चूंकि स्थानीय शिक्षकों को उन्हीं के गाँव में नियुक्ति दी गई है, इससे बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता में भी सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह पूरी प्रक्रिया पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक के मार्गदर्शन में संचालित की गई। इस भर्ती प्रक्रिया में जिले के सभी जनप्रतिनिधियों और जिला परिषद के पूर्व पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा, ऐसा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने बताया है। इस निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद डॉ. हेमंत सवरा, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रकाश निकम, विधायक हरिश्चंद्र भोये, विधायक विलास तरे और विधायक राजेंद्र गावित ने शिक्षकों और जिला परिषद को बधाई दी तथा उन्होंने कहा, ₹यह भर्ती केवल रोजगार का अवसर नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में एक अहम कदम है। स्थानीय शिक्षक स्थानीय बच्चों को बेहतर ढंग से समझा सकते हैं।₹ भर्ती प्रक्रिया के बाद एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है झ ठाणे जिले से 2014 के बाद पालघर में कार्यरत विकल्प विपरीत शिक्षकों को पुनः उनके मूल जिले, ठाणे जिला परिषद, में वापस भेजा जा रहा है। इससे वे शिक्षक भी राहत महसूस कर रहे हैं और उन्होंने इस फैसले पर संतोष व्यक्त किया है। ज्ञात हो कि भर्ती में कक्षा 1 से 5 और 6 से 8 के लिए भाषा, समाजशास्त्र, विज्ञान और गणित विषयों के शिक्षकों का समावेश किया गया है। साथ ही शिक्षकों को उनकी पसंदीदा जगहों पर नियुक्त किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और नियमबद्ध तरीके से सफलतापूर्वक पूरा करने में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की भूमिका सराहनीय रही। उनके नेतृत्व में प्रशासन ने जनता का विश्वास अर्जित किया है। साथ ही प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर के प्रयासों की भी सराहना की जा रही है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बगैर रजिस्ट्रेशन के अवैध ढंग से चल रहे नर्सिंग होम पर लगा ताला

सुजानगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के बेलवार बाजार में संचालित प्रतीक नर्सिंग होम को ज्वांइट मजिस्ट्रेट मछलीशहर कुमार सौरभ के निर्देश पर तहसीलदार रवी रंजन की उपस्थिति में चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज डा, देवेन्द्र पाल द्वारा ताला लगाकर सील किया गया।जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ही एक आशा कर्मचारी ने स्वास्थ्य विभाग को लिखित शिकायत की थी की बेलवार बाजार में संचालित प्रतीक नर्सिंग होम अवैध ढंग से संचालित किया जा रहा है। जिसका न तो विभाग से कोई रजिस्ट्रेशन कराया गया है। तथा न ही किसी मानक के अनुकूल ही यह नर्सिंग होम है। जिसे संज्ञान में लेते हुए उक्त अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को प्रतीक नर्सिंग होम को सील कर दिया गया, तथा नर्सिंग होम में उपस्थित मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज भेज दिया गया है।इस दौरान उक्त अधिकारियो द्वारा सुजानगंज बाजार में बादशाहपुर रोड स्थित सूरज हास्पिटल का औचक निरीक्षण किया गया जहां पर अधिकारियों ने बताया कि हास्पिटल में कोई डाक्टर और नर्स नहीं पाए गए तथा सूरज हास्पिटल के सभी कमरों में ताले लगे हुए थे। वहीं तहसीलदार रवि रंजन द्वारा दीपकपुर में अवैध मिट्टी लेकर जा रहे एक ट्राली ट्रेक्टर को भी सीज कर दिया गया।

हाईवे पर दो बाईकों की आमने-सामने टक्कर में पति-पत्नी सहित तीन लोग घायल

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के खजूरी पुलिस चौकी अंतर्गत रखौना गांव के सामने हाईवे पर शुक्रवार की रात में लगभग 8 बजे टीवीएस एक्सएल बाइक पर सवार मुन्नालाल पटेल तथा पत्नी चंद्रावती देवी निवासी गोहिलाव,चौरी भदोही तथा रांग साइड जा रहे स्प्लेंडर बाइक सवार मेहंदीगंज निवासी राजेश उर्फ कोमल बिन्द 24 बर्ष की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुन्ना लाल पटेल रोहनिया थाना क्षेत्र के शाहबाजपुर बढईनी निवासी साडू रामलाल पटेल के घर शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने पत्नी चंद्रावती देवी के साथ जा रहे थे। दूसरा अज्ञात बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर अचेत अवस्था में राजेश विन्द नामक युवक व पति पत्नी सहित तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उक्त तीनों घायलो को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने हाईवे की एंबुलेंस द्वारा बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए भेजा। पुलिस ने दोनों घायलों के क्षतिग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में लिया।

मुंगराबादशाहपुर के युवक की प्रयागराज के सोरों गांव में दिनदहाड़े हत्या

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के पूरे लाल (नीभापुर) निवासी युवक की शनिवार दोपहर प्रयागराज जनपद के सरायममरेज थानाक्षेत्र सोरों गांव के निकट हत्यारों ने चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई है।साथ में रहे दूसरे युवक को भी पकड़ने की कोशिश किया लेकिन वह जान बचाकर भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की लेकिन परिजनों ने घटना के विरोध में तीन घंटे तक चक्काजाम किया।

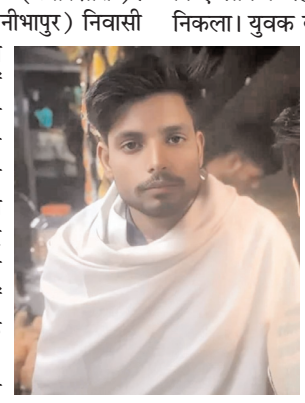

पूरे लाल नीभापुर गांव निवासी शुभम तिवारी(22) अपने साथी पवन तिवारी (20) को बाइक पर बैठाकर सोरों गांव के निकट दोपहर बारह बजे पहुंचा।उसी गांव के निवासी युवक ने उसे फोन कर-के वहां बुलाया था। बुलाए गए स्थान पर खड़े चार युवकों ने पहुंचते ही उसे दबोच लिया और चाकुओं से हमला कर दिया। साथ रहे युवक को भी पकड़ने की कोशिश किए लेकिन वह जान बचाकर शोर मचाते हुए भाग निकला। युवक की चीख पुकार सुनकर आस पास के लोग बचाने के लिए दौड़े लोगों को जुटते देख हमलावर वहां से भाग निकले।मौके पर पहुंचे लोगों ने देखा युवक की मौत हो चुकी थी घटना की सूचना पुलिस व परिजनों को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में ले लिया।मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से इनकार कर दिया। क्षेत्राधिकारी सुनील सिंह के समझाने बुझाने व मान मनौव्वल के बाद पुलिस शव को अपने कब्जे में ले सकी ।इस बाबत पूंछे जाने पर थानाध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रकरण की जांच की जा रही है।मृतक की मोटरसाइकिल व मोबाइल फोन मिल गया है जिसका डिटेल निकलवाया जा रहा है। जल्द ही हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राजमाता अहिल्या बाई होलकर धर्म, न्याय, सेवा और स्त्री शक्ति का प्रतीक थी: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के संरक्षकत्व में पूरे प्रदेश के क्रम में समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में सांसद जौनपुर कार्यालय नईगंज में महान वीरांगना रानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। भारत के इतिहास में वीरांगना रानी अहिल्याबाई होल्कर जिन्होंने अपने अद्वितीय शासन और दूरदर्शिता से इतिहास के पन्नों और कहानियों में अमिट छाप छोड़ी।मालवा की रानी अहिल्या बाई होलकर आज भी एक अहिल्या बाई होलकर केवल एक शासिका नहीं थीं, वे धर्म, न्याय, सेवा और स्त्री शक्ति का प्रतीक भी थीं। अहिल्याबाई होलकर की जयंती के मौके पर उनके जीवन और उपलब्धियों के बारे में जानिए, ताकि हर नारी अहिल्याबाई होलकर से सीख ले सकें। के रूप में याद किया जाता है। सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने राजमाता अहिल्याबाई होल्कर जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का पुनः संकल्प लिया।समारोह की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि अहिल्या बाई होलकर केवल एक शासिका नहीं थीं,वे धर्म, न्याय, सेवा और स्त्री शक्ति का प्रतीक भी थीं। अहिल्याबाई होलकर की जयंती के मौके पर उनके जीवन और उपलब्धियों के बारे में जानिए, ताकि हर नारी अहिल्याबाई होलकर से सीख ले सकें।

जयंती समारोह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल, हीरालाल विश्वकर्मा, महेंद्र यादव नैपाल, उमाशंकर पाल, ज़िला सचिव राजदेव पाल, कमलेश यादव, श्याम नारायण बिंद, डॉ.जंगबहादुर यादव, रामू मौर्य आदि ने संबोधित किया। जयंती समारोह में पूर्व प्रमुख जयंती यादव, राहुल त्रिपाठी, ज़िला सचिव गुलाब यादव, धर्मेंद्र सोनकर, धीरज बिंद, प्रदीप कुमार पाल, कौशल यादव एडवोकेट, सतीश कुमार यादव, सुभाष चंद्र मौर्य, विकास पाल, मनोज कुमार पाल, अरविंद सोनकर, विनय कुमार यादव, जे पी यादव, बच्चा यादव, रामानंद यादव, रमाशंकर पाल, प्रेमचंद पाल, रविन्द्र मौर्य, अमजद अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे। जयंती समारोह का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

आंधी में गिरे पेड़ से दबकर बाइक सवार की मौत, पुत्री और भतीजी घायल

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पिलकिछा खोभरियां गांव के सेंवई नाला पुल के पास गायत्रीनगर मार्ग पर शुक्रवार की रात आयी तेज आंधी में बाइक से अपनी बेटी और भतीजी को बैठाकर जा रहे युवक पर एक पेड़ गिर गया। जिसमें दबकर बाइक चालक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। पुत्री और भतीजी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिनका उपचार बीएचयू के ट्रामा सेन्टर में चल रहा है।जानकारी के मुताबिक ओइना गांव निवासी हीरालाल गौतम अपनी 14 वर्षीय पुत्री नेहा और 19 वर्षीय भतीजी काजल के साथ किसी काम से खुटहन बाजार गए थे। जहां से रात लगभग नौ बजे वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में तेज आंधी आ गई। वह घर से अभी लगभग एक किमी दूरी पर थे कि तेज हवा के झोंको से सड़क के बगल में लगा आम का पेड़ बाइक के ऊपर गिर गया। जिसकी चपेट में आकर तीनों घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल भेजवाया। जहां हालत गंभीर देख उन्हे जिला चिकित्सालय वहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां देखते ही चिकित्सकों ने 45 वर्षीय हीरा गौतम को मृत घोषित कर दिया। पुत्री और भतीजी का उपचार चल रहा है।

तेज रफ्तार ऑटो ने कार को मारी टक्कर, मां-बेटे घायल

रियाजुल हक, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के सरौना गांव में शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार ऑटो रिक्शा और अल्टो कार के बीच टक्कर हो गई।हादसे में ऑटो में सवार मां-बेटे को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों और घायलों के परिजनों ने मौके पर जमकर हंगामा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नेवढ़िया थाना क्षेत्र के परेवां गांव में स्थित यादव बस्ती में आई राधेश्याम यादव की पत्नी बिंदु देवी अपने पुत्र प्रिंस यादव के साथ शनिवार सुबह लगभग 9 बजे जंघई से लौट रही थीं। उन्होंने एक ऑटो रिक्शा रिजर्व किया था। सरौना गांव के पास अंग्रेजी शराब ठेके के नजदीक सामने से आ रही अल्टो कार से ऑटो की भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटो की रफ्तार तेज थी और असंतुलित होकर कार से टकराने के बाद गड्ढे में जा गिरा।हादसे में बिंदु देवी और उनके पुत्र को हल्की चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें ऑटो से निकालकर पास की दुकान पर बैठाया। बिंदु देवी ने अपने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परेवां गांव से कुछ युवक मौके पर पहुंचे और कार चालक पर हमला करने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीणों के हस्तक्षेप से चालक वहां से कार छोड़कर भागने में सफल रहा।इसके बाद करीब आधे घंटे तक हंगामा होता रहा। मौजूद कुछ पत्रकारों के साथ भी बदसलूकी की गई और कैमरा चलाने से रोका गया। सरौना गांव के ग्रामीणों के हस्तक्षेप और समझाने के बाद हंगामा शांत हुआ।इस घटना से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने समय से पुलिस न पहुंचने पर नाराजगी जताई है।

तेज रफ़्तार ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

जिला अस्पताल में दूसरे घायल का चल रहा है उपचार

मोहम्मद अफजल, खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के गोरारी मोड़ पर शुक्रवार की देरशाम तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने बाइक सवार को रौंद दिया। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने गम्भीर रूप से घायल दोनों युवक को पीएचसी पहुचाया। उपचार के दौरान सदर अस्पताल में शनिवार की भोर में एक की मौत हो गई। दूसरे हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने ट्रैक्टर को हिरासत में ले कर आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुट गई। जानकारी के मुताबिक आजमगढ़ जनपद के पवई थाना क्षेत्र के देहरी गांव निवासी अनिल राजभर (28) पुत्र रामदुलार, शाहगंज कोतवाली के अखीपुर निवासी शशि (26) पुत्र राजेंद्र शुक्रवार की देर शाम अपने साथी के साथ एक बाइक पर अपने घर के लिए शाहगंज की तरफ जा रहे थे। तभी गोरारी मोड़ के पास लेदरही मार्ग से तेज रफ्तार आ रही ट्रैक्टर की चपेट में आ गए, दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। सूचना पर पहुँची पुलिस ने घायलों को पीएचसी सोंधी पहुचाया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों उन्हें सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। गम्भीर रूप से घायल अनिल राजभर इलाज के दौरान शनिवार की भोर में मौत हो गई। जबकि दूसरे युवक का हालत अभी भी स्थिर बनी हुई है। हादसे की खबर पाकर पहुँचे परिजन अस्पताल में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने शव ने कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। अनिल राजभर की मौत हो जाने के बाद युवक का शव जैसे ही घर पहुंचा तो घर मे कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्वजन का चीत्कार और विलाप सुनकर हर किसी की आंखों से आंसू निकल पड़ा। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि गोरारी में ट्रैक्टर और मोटसाइकिल की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। पोस्टमार्टम कराने के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया गया है। जाँच की जा रही है।

देवगांव में बीच बाजार में युवक को मारपीट कर किया अधमरा, मौत

अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा टीम गठित जल्द होगी हत्यारों की गिरफ्तारी

◆ आदित्य सेठ की मौत परिजनों में मचा कोहराम

मुहम्मद आरिफ

देवगांव,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। देवगांव बाजार के कोतवाली मोड़ से चंद कदम दूर एक ऐसी वारदात हो गई जिसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता। कहा सुनी के बाद बात इतनी आगे बढ़ गई कि युवक को मारपीट कर अधमरा कर दिया गया। जब तक उसे इलाज के लिए ले जाया जाता तब तक युवक ने दम तोड़ दिया। खबर लगते ही प्रशासनिक अमले में खलबली मच गई। वही मौत खबर लगते ही परिजनों में भी कोहराम मच गया जानकारी अनुसार देवगांव बाजार के मशहूर इलेक्ट्रीशियन स्वर्गीय मोती सेठ का पोता आदित्य सेठ उर्फ टेम्पो पुत्र राजू सेठ बाजार के ही स्वर्गीय कालीदास की दुकान से कुछ सामान लेने गया था। जहाँ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई और बात इतनी बढ़ गई की बीच बाजार में ही मारपीट शुरू हो गई बताया जा रहा है। इस मारपीट में युवक अधमरा हो गया आनन फानन में उसे संयुक्त सौ सैया हॉस्पिटल लालगंज ले जाया गया। जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी मिलते ही देवगांव पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आवश्यक कार्यवाही में जुट गई ।वही बाजार अचानक हुई इस वारदात से हर कोई सदमे में है पूरे प्रकरण में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने कहा की पूरे प्रकरण को लेकर टीम गठित की गई है जल्द हत्यारों की गिरफ्तारी की जाएगी।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने किया तहसील का निरीक्षण

जर्जर भवन के बरामदे में बैठने वाले अधिवक्ताओं को तत्काल खाली करने का दिया निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुमार सौरभ ने तहसील के सभी जर्जर भवनों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के बाद जर्जर भवन के बरामदे में बैठने वाले अधिवक्ताओं को तत्काल खाली करने का निर्देश दिया है। क्योंकि तहसील के जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही शुरू हो चुकी है।पुराने भवन गिरने से अधिवक्ताओं को नया ठिकाना खोजने की चिंता सताने लगी है।

बताया जाता है कि तहसील परिसर में 124 वर्ष पूर्व वर्ष 1901 में निर्मित तहसील भवन, तहसीलदार न्यायालय सहित कई भवनों को निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका है। नया भवन बनने के बाद सभी न्यायालय, कार्यालय उसमें स्थानांतरित हो चुके हैं। इसलिए पुराने भवनों को गिराने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।इन्हीं भवनों के बरामदे में तहसील के सैकड़ों अधिवक्ता 50 वर्ष से बैठते चले आ रहे है। भवन गिरने के बाद उनके बैठने की समस्या होगी।वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश चंद्र सिन्हा, शासकीय अधिवक्ता सुरेंद्र मणि शुक्ला, अशोक श्रीवास्तव, विनय कुमार पांडेय, जितेंद्र श्रीवास्तव, केबी सिंह सहित सभी अधिवक्ताओं ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से बैठने की कोई वैकल्पिक व्यवस्था कराने की मांग की है।क्योंकि धूप, गर्मी, बारिश में अधिवक्ता कहां जायेंगे।वहीं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट का कहना है कि जैसे जैसे पुराने भवन गिरेंगे और मलवा साफ करा दिया जाएगा तो उसी स्थान पर अधिवक्ता क्रमशः अपना टीन शेड आदि लगाकर बैठने की व्यवस्था कर सकते हैं। लेकिन जर्जर भवनों के गिराने की प्रक्रिया रुकेगी नहीं।

तहसील के जर्जर भवनों का शुरू हो चुका है ध्वस्तीकरण, अधिवक्ताओं को नया ठिकाना खोजने की चिंता

वाराणसी कलेक्ट्रेट में एडीएम बिल्डिंग से कूदा युवक

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी में कलेक्ट्रेट स्थित एडीएम बिल्डिंग से एक युवक कूद गया। दो मंजिला बिल्डिंग से युवक के कूदने की जानकारी होते ही कलेक्ट्रेट में हड़कंप मच गया। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंच गई। त्वरित तौर पर घायल को दीनदयाल अस्पताल भेज गया। उसके कमर में गहरी चोट बताई जा रही है। वह सलमान किन्नर के साथ पहुंचा था। युवक की अधिवक्ता से झड़प हुई थी। इसके बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

किन्नरों और अधिवक्ताओं में हुई थी झड़प

जानकारी के अनुसार, पिछले दिनों किन्नरों में हुई मारपीट मामले में शुक्रवार को सलमान किन्नर अपने साथी के साथ कचहरी पहुंचा था। यहां पर अधिवक्ताओं ने उसे घेर लिया। बचाव के दौरान उसके साथ आया एक युवक एडीएम प्रोटोकॉल की छत पर चढ़ गया। नीचे हंगामा कर रहे लोग जब तक कुछ समझ पाते युवक ने ऊपर से छलांग लगा दी। वह लहुलूहान हो गया था। खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। पुलिस ने एंबुलेंस से उसे दीनदयाल अस्पताल पहुंचाया।सलमान किन्नर ने बताया- आज भी वकील ने फोन करके गालियां दीं। उत्कर्ष ने सलमान को फोन करके सारी बात बताई। मैं उसे लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचा था। इसी दौरान वकील से आमना सामना हो गया। सलमान ने आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान वकील ने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों को घेर लिया। फिर पीटना शुरू कर दिया।

लात-घूंसे से मारा, बाल पकड़कर नोचे। पिटाई से बदहवास उत्कर्ष एडीएम सिटी वाली बिल्डिंग की तरफ भागा। कुछ लोग उसकी तरफ दौड़े तो वह दूसरी मंजिल पर चढ़ गया। वहां से सर्किट हाउस के सामने कूड़ाघर की तरफ से कूद गया। उसके कूदते ही मारपीट करने वाले वकील भाग खड़े हुए।व्यक्ति के एडीएम बिल्डिंग से कूदने की जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद पुलिसकर्मी भी आ गए। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से जख्मी ट्रांसजेंडर को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया।

पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन की टीम कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी: प्रदेश सचिव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में पिता व दो पुत्रों की नृशंस निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे प्रदेश में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष विनय जायसवाल ने पीड़ित परिवार के घर जफराबाद थाना क्षेत्र के कंधा गांव मे पहुंच कर परिजनों को सात्वंना देते हुए ढांढस बधाया। प्रदेश सचिव ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन की पूरी टीम उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। जल्द ही मैं अपने संगठन के माध्यम से इन परिवारों को न्याय दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिलकर इन परिवार को जल्द से जल्द न्याय दिलाने की मांग करूंगा और उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था जो पूरी तरीके से सही ढंग से कार्य नहीं कर रही है, उस विषय में भी बात करूंगा। विनय जायसवाल ने इसके साथ यह भी कहा कि अगर कोई भी फरियादी अपनी समस्या के समाधान के लिए किसी भी ऑफिस में जाता है तो उसकी समस्या का तत्काल समाधान कर उसके साथ न्याय किया जाए।जिससे उसका विश्वास शासन एवं प्रशासन पर पूर्ण रूप से बना रहे।

इस मौके पर जिला संरक्षक राज जायसवाल, जिला महामंत्री अंकित मौर्य, ब्लॉक अध्यक्ष अलख निरंजन गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष मोती लाल सोनी, जिला संचालन प्रभारी चंद्रेश जायसवाल, जिला सलाहकार रितेश मदनलाल, नगर संरक्षक संतोष शर्मा, नगर संचालन प्रभारी रोहित शर्मा, राजकमल गौतम, ह्रदेश कुमार, शनि कुमार, मोहम्मद अली, विष्णु कुमार सोनी, विशाल कुमार सोनी, इत्यादि लोग भारी संख्या में मौजूद रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने वाला युवक आखिर आया गिरफ्त में, पीड़िता भी बरामद

भदोही(उत्तरशक्ति)। थाना मिजार्मुराद पर पंजीकृत मु०अ०सं० 125/2025 धारा 137(2),87 बीएनएस से सम्बन्धित आरोपी की गिरफ्तारी हेतु उनके घर एवं संभावित ठिकानों पर निरंतर दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में अपहृता/पीड़िता को बरामद करते हुए थाना मिजार्मुराद पुलिस टीम ने उक्त मुकदमें से संबंधित आरोपी 1. गौतम बिन्द पुत्र राजमन बिन्द निवासी बहुतराखुर्द थाना चौरी जनपद भदोही उम्र करीब 18 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर गुड़िया बार्डर के पास से गिरफ्तार किया गया।

रास्ते में खड़े डीजे को लेकर बारातियों से भिड़े दबंग, मारपीट में एक घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के झिलमिलगंज के पास रास्ते में खड़े डीजे को हटाने को लेकर मौके पर पहुंचे कुछ अराजक तत्वों से बारातियों से मारपीट हो गई जिसमें कुछ बाराती सहित एक अन्य युवक घायल हो गया। संयोग था कि उसी रास्ते से थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह अपने हमराहियों के साथ आ रहे थे और मौके पर मारपीट हो रही थी। तत्काल हरकत में आए थाना प्रभारी ने दूल्हे के भाई सहित आधा दर्जन बारातियों को गिरफ्तार कर लिया और घायल को तत्काल शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के विषय में आपको बताते चलें कि हरखपुर सदर गांव निवासी आकाश मौर्य खुद अपनी बारात लेकर सिकरारा थाना क्षेत्र के राजबहादुर मोर्य निवासी मीठेपार के यहां आए थे रात्रि 12:00 बजे के करीब सभी बाराती खा पी करके घर वापस जा रहे थे उसी के साथ डीजे भी वापस जा रहा था रास्ते में डीजे खड़े होने की वजह से कुछ अराजक तत्व अपनी मोटरसाइकिल से वापस

पुलिस की मौजूदगी में दुल्हन हुई विदा

कहीं जा रहे थे तो उक्त लोगों ने डीजे को हटाने के लिए कहा इसी बात को लेकर आपसी विवाद हो गया। उक्त अराजक तत्वों व बारातियों में मारपीट होने लगी ठीक उसी समय थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह अपने हमराहियों के साथ कहीं से वापस थाने पर लौट रहे थे स्थिति को देखते हुए सिपाहियों ने तत्काल बीच बचाव करते हुए दूल्हे के छोटे भाई विकास सहित आधा दर्जन बारातियों को हिरासत में ले लिया और मौके पर घायल प्रदुम सिंह निवासी बेलगहन को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उनका इलाज चल रहा है कुछ बारातियों को भी चोट लगी है।इधर घटना की जानकारी मिलते ही दूल्हे की मां अपनी नई नवेली बहू के घर पहुंच गई और कहा कि जब तक हिरासत में लिए गए बारातियों को पुलिस नहीं छोड़ेगी तब तक हम दुल्हन की विदाई नहीं करवाएंगे दोपहर 12:00 बजे के करीब पुलिस के हस्तक्षेप से दुल्हन की विदाई कराई गई इस संबंध में पूछने पर थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस भेज करके दुल्हन की विदाई करा दी गई है और मारपीट करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी मारपीट में शामिल अन्य अराजक तत्वों की जानकारी के साथ तलाश की जा रही है।

یسریٰ حکیمی دواخانہ Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

जमीन दिलाने के नाम पर 12 लाख की ठगी

कोर्ट के आदेश पर खेतासराय पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र की रहने वाली गुन्जा यादव से जमीन दिलाने के नाम पर 12 लाख रुपये की ठगी के मामले में कोर्ट के आदेश के बाद खेतासराय पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता गुन्जा यादव ने बताया कि आरोपी रियाज अहमद, निवासी ग्राम मझौरा, थाना खेतासराय, जनपद जौनपुर ने 16 फरवरी 2024 से 21 सितंबर 2024 के बीच किस्तों में रकम लेकर फर्जी दस्तावेजों के जरिये जमीन बेचने का झांसा दिया था। लेकिन बाद में न तो बैनामा किया और न ही रकम वापस की। पीड़िता ने कई बार स्थानीय पुलिस से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई न होने पर 23 दिसंबर 2024 को न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 419, 420, 406, 467, 468, 471, 472 आईपीसी के तहत मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना शुरू कर दी है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि पैसे मांगने पर आरोपी ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस अब जांच कर रही है।

डीएम और एसपी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र और पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ के द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों के द्वारा बैरकों की सघन तलाशी ली गयी। इस दौरान कुछ भी आपत्तिजनक वस्तु नही मिला। पाकशाला में जाकर बन्दियों को दिये जाने वाले भोजन की व्यवस्था तथा गुणवत्ता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों के द्वारा बन्दियों से संवाद भी किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक डा0 विनय कुमार, जेलर अजय कुमार राय, डा0 विनय कुमार राव, डिप्टी जेलर सुबाष चन्द्र पाडेय, नन्द किशोर और ट्रेनी डिप्टी जेलर सदानन्द सिंह, चिकित्सक सहित अन्य उपस्थित रहे।

मछलीशहर नगर पंचायत अध्यक्ष को हाई कोर्ट से मिली जमानत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर नगर पंचायत अध्यक्ष संजय जायसवाल को हाई कोर्ट से जमानत मिल गयी। कोतवाली पुलिस ने 11 सितंबर को धोखाधड़ी सहित कूट रचित कागजात तैयार कर ट्रेलर बेचने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। कोतवाली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।नगर के शादीगंज निवासी नगर पंचायत अध्यक्ष के छोटे भाई अनुराग जायसवाल ने जुलाई में संयुक्त गृह सचिव (पुलिस) को प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें उन्होंने अपने बड़े भाई नगर पंचायत अध्यक्ष संजय जायसवाल पर आरोप लगाया था। बाद में संयुक्त गृह सचिव (पुलिस) के आदेश पर मामले की जांच क्षेत्राधिकारी को दे दी थी। जांच के बाद कोतवाली पुलिस ने 11 सितंबर को मुकदमा दर्ज कर लिया। बाद में उनकी गिरफ्तारी हुई और तब से जेल में ही थे। तीन माह पहले एक मामले में उन्हें जमानत मिल गई थी, लेकिन दूसरे मामले में पुलिस ने रिमांड ले ली। शुक्रवार को उन्हें हाई कोर्ट से जमानत मिलने की सूचना पर समर्थकों में खुशी का माहौल है। उनके बेटे अभय जायसवाल ने उनकी बताया मंगलवार तक घर आने की उम्मीद है।

बी.एच.यू. में यूरोलॉजी ओटी नर्सिंग ऑफिसर पाया गया कोरोना संक्रमित, अब तक कुल आठ संक्रमित मिले

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के क्टर इलव में कोरोना के संक्रमण रुकने का नाम नहीं ले रहा । शुक्रवार को आईएमएस बीएचयू के यूरोलॉजी ओटी में तैनात नर्सिंग ऑफिसर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। अब तक आठ संक्रमित मिल चुके हैं। संबंधित मरीज होम आइसोलेशन में हैं। इससे पहले गुरुवार को आईएमएस बीएचयू में लैब टेक्नीशियन समेत दो कोरोना संक्रमित मिले थे। बीएचयू माइक्रो बायोलॉजी लैब में हुई जांच में पिछले सप्ताह इलाज के लिए बीएचयू आए तीन मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। वह वाराणसी के बाहर के जिले के थे। इसके अलावा अब तक पांच दिन में ही जो पांच नए मरीज मिले हैं, इसमें तीन आईएमएस बीएचयू के ही हैं। सीएमओ डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि जिले के अस्पतालों में कोविड जांच शुरू करवा दी गई है। इसके लिए सभी जगहों पर पर्याप्त वीटीएम सहित अन्य जरूरी उपकरण भिजवा दिए गए हैं।वाराणसी में कोरोना फिर से दस्तक दे रहा है। पिछले तीन दिनों में कोरोना से संक्रमित चार मरीज मिल चुके हैं। आज दो और मरीजों में कोविड वायरस की पुष्टी होने से हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार एक मरीज बीएचयू का लैब टेक्निशियन बताया जा रहा है।विभाग सतर्क हो गए हैं और बचाव के लिए जागरूक रहने की अपील की जा रही है। बताया जा रहा है कि सर्दी खांस और बुखार के लक्षण दिखते ही तुरंत जांच करवाएं और सावधान रहें। सार्वजनिक स्थान पर मास्क का प्रयोग जरूर करें।

भाजपा महाराष्ट्र ने वसई-विरार की कमान प्रज्ञा पाटिल को सौंपी

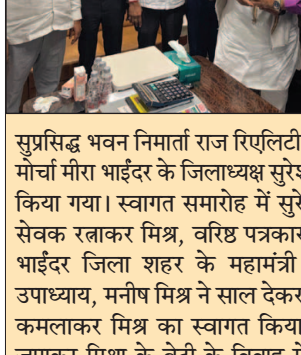

वसई रोड। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा आज घोषित 22 जिला अध्यक्षों की सूची में वसई-विरार जिले की जिला अध्यक्ष के रूप में श्रीमती प्रज्ञा पाटिल को नियुक्त किया गया है। श्रीमती पाटिल वसई-विरार क्षेत्र में कार्यरत विशेष पिछड़ा वर्ग हिंदू सोनकोली समाज से आती हैं और एक विद्वान एवं सशक्त महिला नेता के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने पूर्व में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष, जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं जिला महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर संगठन को मजबूती प्रदान की है। साथ ही लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है। उनकी इस नियुक्ति से भाजपा कार्यकताओं, विशेष रूप से महिला पदाधिकारियों में नया उत्साह एवं आत्मविश्वास जागृत हुआ है। यह विश्वास जताया जा रहा है कि उनके नेतृत्व में आगामी महानगरपालिका चुनाव में भाजपा को बड़ी सफलता प्राप्त होगी और महिला प्रतिनिधित्व को भी सशक्त अवसर मिलेंगे। इस संबंध में भाजपा वसई-विरार के जिला उपाध्यक्ष एवं प्रचार प्रमुख श्री मनोज बारोट ने मीडिया को जानकारी दी।

समाज सेवक एवं पूर्व ग्राम प्रधान का भव्य स्वागत

मीरा रोड (उत्तरशक्ति) । मीरा रोड उत्तर प्रदेश जौनपुर जिले के तेजीबाजार स्थित ग्राम सभा रामचंद्रपुर के पूर्व प्रधान एवं प्रसिद्ध समाज सेवक कमलाकर मिश्र का मुंबई आगमन पर मीरा रोड में भव्य स्वागत किया गया। सुप्रसिद्ध भवन निमार्ता राज रिएलिटी के मालिक एवं भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा मीरा भाईंदर के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह के कार्यालय में उपरोक्त स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में सुरेश सिंह के साथ साथ वरिष्ठ समाज सेवक रत्नाकर मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय, भाजपा उभारों मीरा भाईंदर जिला शहर के महामंत्री कमलेश दुबे, रवि तिवारी, सुरेंद्र उपाध्याय, मनीष मिश्र ने साल देकर समाज सेवक, पूर्व ग्राम सभा प्रधान कमलाकर मिश्र का स्वागत किया। कमलाकर मिश्र अपने छोटे भाई जपाकर मिश्रा के बेटी के विवाह में आए हुए थे एवं उसके बाद अपने शुभचिंतकों और क्षेत्रीय लोगों से मिलकर खुशी की अनुभूति कर रहे हैं।

जिला चिकित्सालय में किन्नरों का हंगामा,कई घायल अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठा सवाल

जिलाधिकारी ने कोतवाल को मामले की जांच के लिए किया निर्देशित

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के ख्वाजगी टोला मोहल्ले में कई महीनों से चल रहा जमीन विवाद शुक्रवार को अचानक उग्र हो गया। इस विवाद ने न केवल मोहल्ले को बल्कि कोतवाली और जिला अस्पताल तक को हिला कर रख दिया। आरोप है कि राज कॉलेज चौकी प्रभारी की लापरवाही के चलते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी तक घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ख्वाजगी टोला निवासी एक किन्नर और उसके पटीदार के बीच जमीन का विवाद कई माह से चला आ रहा है, जिसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को थी। बावजूद इसके राज कॉलेज चौकी द्वारा समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसी का परिणाम रहा कि शुक्रवार को किन्नरों ने विवादित बाउंड्री वॉल को गिरा दिया, जिससे मामला और भड़क गया।

दोनों पक्षों के बीच मारपीट की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को कोतवाली ले जाकर पूछताछ शुरू की। यहां भी किन्नरों ने जमकर हंगामा किया। इसके बाद घायलों को उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों द्वारा थोड़ी देर प्रतीक्षा करने को कहे जाने पर किन्नर पक्ष आक्रोशित हो उठा और फोन करके अपने अन्य साथियों को बुला लिया। जैसे ही अन्य किन्नर अस्पताल पहुंचे, उन्होंने इमरजेंसी कक्ष में जमकर तोड़फोड़ की और चिकित्सक डॉ. पवन सिंह, स्टाफ नर्स आशिष कुमार सिंह समेत अन्य कर्मचारियों से मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिससे आमजन में रोष है।

इस पूरे घटनाक्रम में राज कॉलेज चौकी प्रभारी की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि पुलिस समय रहते हस्तक्षेप करती और निष्पक्ष कार्यवाही करती, तो मामला इस स्तर तक नहीं पहुंचता।

वर्तमान में पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही चिकित्सक की तहरीर पर मारपीट, तोड़फोड़ और सरकारी कार्य में बाधा डालने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अब देखना यह होगा कि पुलिस चौकी की भूमिका को लेकर विभागीय जांच होती है या मामला यूं ही दबा दिया जाएगा। उधर जिला अस्पताल में सिक्योरिटी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं इससे पहले सिक्योरिटी के गार्ड जो लगे हुए थे उनको यह कह करके हटा दिया गया था कि उनकी जगह पर पूर्व सैनिक आएंगे लेकिन अभी तक पूर्व सैनिक भी जिला अस्पताल में सिक्योरिटी के रूप में नहीं आए हुए हैं ,वहीं सिक्योरिटी गार्ड के एक आदमी ने बात करते हुए कहा कि हम लोगों को हटा दिया गया जब तक कि हम लोग यहां पर थे तो किसी भी प्रकार की ऐसी घटना को घटित नहीं होने देते थे पीआरडी के तीन चार जवान हैं जो दिन में काम करते हैं लेकिन शाम को होने के बाद यहां पर सन्नाटा पसर जाता है इस बाबत जब पूछने की कोशिश की गई तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी का फोन नहीं उठा।

बैगजोन लाइफस्टाइल्स प्राइवेट लिमिटेड ने लॉन्च किया 'अकीकी लंदन'

मुंबई। बैग और एक्सेसरीज की दुनिया में तीन दशकों से ज्यादा के अनुभव के साथ, बैगजोन लाइफस्टाइल्स प्रा. लि. ने अपना नया ब्रांड अकीकी लंदन लॉन्च किया है। यह ब्रांड आज की जागरूक और स्टाइलिश महिलाओं के लिए खास तौर पर बनाया गया है। इसके पहले कलेक्शन में ऐसे हैंडबैग्स शामिल हैं, जो आधुनिक डिजाइन और पारंपरिक कारीगरी का बेहतरीन मेल हैं, जहां हर बैग एक सोच और खास पहचान को दर्शाता है। अकीकी नाम की प्रेरणा 'एगेट' नामक रत्न से ली गई है, जो अपनी परतदार सुंदरता और मजबूती के लिए जाना जाता है। यह ब्रांड भी वैसा ही है, खूबसूरत भी और गहरा मायने रखने वाला भी। अकीकी सिर्फ एक बैग नहीं, बल्कि एक ऐसा पीस है जो, इसे उपयोग करने वाली महिला की सोच और उसके स्टाइल के अनोखे अंदाज को दिखाता है, वह महिला जो ट्रेंड्स से नहीं, बल्कि उसकी खुद की पसंद से पहचानी जाती है। लंदन की कला और संस्कृति से प्रेरित, अकीकी हैंडबैग्स को केवल एक एक्सेसरी ही नहीं, बल्कि खुद को व्यक्त करने का तरीका भी मानता है, इसका मानना है कि हर बैग एक कहानी कहता है। इसका हर डिजाइन क्लासिक होते हुए भी आधुनिक है। बिलकुल लंदन जैसा सिंपल भी और बोल्ड भी। अपने इनोवेटिव डिजाइन्स में बेहतरीन गुणवत्ता और बारीकी से की गई कारीगरी के लिए, अकीकी यूरोप और एशिया के मशहूर डिजाइन पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करता है। इससे ब्रांड बेहद कम कीमतों में ऐसे प्रोडक्ट्स पेश कर पाता है जो अंतर्राष्ट्रीय लग्जरी स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं।

मेडिकल कालेज, जौनपुर में मनाया गया विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश शासन के मन्शा के अनुरूप उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्राचार्या प्रो० डा० रूचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो० डा० ए०ए० जाफरी के दिशा निर्देश में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष, डा० मुदित चौहान द्वारा दिनांक 31 मई, 2025 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया गया। मेडिकल कालेज के उप प्राचार्य, प्रो० डा० आशीष यादव ने बताया कि हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है।जिसका उद्देश्य तंबाकू के उपयोग के खतरों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और सरकारों को तंबाकू नियंत्रण की नीतियों को और सख्ती से लागू करने के लिए प्रेरित करना है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस का थीम चमकदार उत्पाद, काली मंशाः आकर्षण का पदार्फाश है। तंबाकू एक धीमा जहर है। चाहे वह सिगरेट, बीड़ी, गुटखा या खैनी के रूप में हो- यह हमारे शरीर को भीतर से खोखलाकर देता है। तंबाकू सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी जैसी गंभीर बीमारियाँ होती हैं। सबसे दुखद बात यह है कि इसका प्रभाव केवल उपभोक्ता पर नहीं बल्कि उसके आस पास रहने वालो पर भी पड़ता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी द्वारा बताया गया कि तंबाकू का संवन केवल फेफड़ों या हृदय को ही नहीं, बल्कि शरीर के बाहरी अंगों पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हथेलियों या उंगलियों की त्वचा का काला पड़ना, रूखापन या झुर्रियाँ कहा जाता है। एक सामान्य लक्षण है जो लम्बे समय तक तंबाकू के सेवन से विकसित होता है। यह त्वचा की रक्त संचार प्रणाली पर असर डालता है और आंगों की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। कार्यक्रम के अगले क्रम में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में प्रोजेक्टर पर तम्बाकू के सेवन से हो रहे दुष्प्रभावों को विडियों क्लीप दिखाकर जन-जागरूक किया गया कि जीवन के लिए यह कितना खतरनाक है। फिर भी लोग इसका सेवन करने से नहीं डरते है। चिकित्सको ने उपस्थित मरीजो एवं तीमारदारो को बताया कि यदि किसी व्यक्ति को तम्बाकू से मुक्ति चाहिए तो वे मेडिकल कालेज में कम्युनिटी मेडिसिन एवं साइकेट्री विभाग में आकर सलाह लेकर उपचार करा सकता है। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल, डा० अरविन्द पटेल, डा० जितेन्द्र कुमार, डा० विनोद वर्मा, डा० नवीन सिंह, डा० आदर्श यादव,डा० तुमुल नन्दन, डा० पूजा पाठक, डा० तम्मा राजा राव, डा० रिनु कुमार एवं नर्सिंग आफिसर तथा मेडिकल सोसल वर्कर व अन्य कर्मचारी, मरीज व उनके तीमारदार उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती

मछलीशहर,जौनपुर। मछलीशहर में रणथम्भौरी क्षत्रिय गौरव संस्था (रजि) द्वारा महाराणा प्रताप जयंती का भव्य समारोह ₹शुक्ल पक्ष तृतीय तिथि, ज्येष्ठ मास, संवत 2082 (29 मई 2025)₹ को मनाया गया। इस अवसर पर वीर शिरोमणि, स्वतंत्रता प्रेमी एवं मातृभूमि रक्षक महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं फूलों की वर्षा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के स्वागत के लिए संस्था के गोवा अध्यक्ष संजय सिंह एवं जय प्रकाश सिंह ने विशेष भूमिका निभाई। कैलेंडर वितरण भी किया गया। ठाकुर रामचंद्र सिंह परमार (जिलाध्यक्ष भदोही) मुख्य अतिथि रहे, जबकि ठाकुर फूलचंद्र सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता ठाकुर लालमणि सिंह राठौड़ रहे। इस आयोजन में कई गणमान्य व्यक्तियों एवं ग्रामवासियों ने भाग लिया, जिनमें ठाकुर पन्ना लाल सिंह राठौड़, ठाकुर प्यारेलाल सिंह चंद्रवंशी, ठाकुर रामसेवक सिंह चंद्रवंशी, ठाकुर विनय सिंह वत्स, ठाकुर मनोज कुमार सिंह वत्स, एवं अध्यक्ष गोवा प्रांत के संजय सिंह वत्स प्रमुख थे। कार्यक्रम महादेव मंदिर, घिरौची (राजनगर), मछली शहर में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चला। मंच संचालन अध्यापक सुशील कुमार सिंह भाटी ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समापन हुआ। मुख्य आयोजक संजय सिंह वत्स ने सभी अतिथियों और ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि यह समारोह हर वर्ष इसी भव्यता से मनाया जाएगा।

भाजपा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रकोष्ठ द्वारा रंगोली एवं एकांकी प्रतियोगिता का आयोजन

-नरेंद्र सोनी

नालासोपारा। राजमाता अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर भाजपा वसई विरार जिला बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रकोष्ठ की ओर से विरार पश्चिम स्थित मेवाड़ भवन में रंगोली एवं एकांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन सोनी गुरजीत अरोड़ा द्वारा किया गया। प्रतिभागियों ने रंगोली एवं एकांकी प्रस्तुतियों में अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नालासोपारा से आमदार श्री राजन नाईक थे। साथ ही जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, विरार वेस्ट मंडल अध्यक्ष विशाल राउत, जिला कोषाध्यक्ष हरेंद्र दादा पाटिल, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुश्री कंचन झा, जिला महासचिव प्रज्ञा पाटिल, जिला महासचिव अभय कक्कड़, वरिष्ठ नेता जोगेंद्र प्रसाद चौबे, प्रदेश सचिव ओबीसी मोर्चा संजोग यंदे, जिला उपाध्यक्ष गोपीनाथ नागरगोजे, जिला उपाध्यक्ष नयन शाह, माझी मंडल अध्यक्ष रवि पुरोहित, महिला मोर्चा अध्यक्ष मीरा रावल, विरार पश्चिम मंडल संगठन महामंत्री गुरुजीत अरोरा, एसटी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मुकेश पवार, जिला उपाध्यक्ष रामकृष्ण सबत, मंडल उपाध्यक्ष रेशमा राठौड़, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कमलेश मुजावर, महिला मोर्चा मंडल महामंत्री विनिशा शर्मा, मंडल महामंत्री मेहुल शाह, एवं अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला सह संयोजिका श्रीमती स्मिता मोदी, कार्यालय मंत्री रीना सिंह, पदाधिकारी विश्व, श्रेयश चूरी, डॉक्टर रोहन कूलर (हॉस्पिटल वसई विरार ईस्ट संयोजिका नीतू कृष्ण झा) और पूरी टीम भी इस आयोजन में शामिल थे। इस प्रकार यह कार्यक्रम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के संदेश को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ छात्राओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

अहिल्याबाई होलकर के समय किसानों पर किसी भी तरह का जुल्म नहीं होता था : गिरीश चंद्र यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अहिल्याबाई होलकर के जयंती के शुभ अवसर पर विधानसभा जौनपुर के पंचायत प्रतिनिधि की संगोष्ठी आयोजित हुई जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला उपस्थित रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने की। कार्यक्रम का सुभारम्भ लोकमाता रानी अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण कर एव बंदे मातरम गीत गाकर की गई।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में धर्म, समाज और संस्कृति के संरक्षण व विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध कार्य करते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए। उन्होंने आगे कहा कि अहिल्याबाई की राजधानी महेश्वर उनके शासनकाल में साहित्य, संगीत, कला और उद्योग का केंद्र थी उनकी राजधानी में कारीगर, कलाकार, मूर्तिकार आदि को उनके कार्यों के लिए बढ़िया वेतन मिलता था उन्होंने महेश्वर में कपड़ा उद्योग की भी स्थापना करवाई थी वह रोज अपनी जनता की तकलीफों को सुनने के लिए दरबार लगाया करती थीं और हमेशा न्याय के लिए उपलब्ध रहती थीं महारानी अहिल्याबाई के राज्य में कपड़ा उद्योग ने बहुत उन्नति की थी। राज्य मंत्री स्वतन्त्र प्रभार गिरीश चंद यादव ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर के समय किसानों पर किसी भी तरह का जुल्म नहीं होता था और उन्हें काफी अधिकार भी मिले हुए थे उनकी बनवाई सड़कें चौड़ी होती थी और उनके किनारे पेड़ भी होते थे उन्होंने कई भीलों को खानाबदोश जीवन त्याग करवा कर उन्हें किसान के रूप में भी बसवाया था।

मल्हनी विधानसभा मे आयोजित कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष गाजीपुर सुनील सिंह ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन देश के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है उन्हें एक वीरांगना और शासक के साथ सामाजिक सुधारक के रूप में याद किया जाता है उन्होंने न केवल एक बड़े भूभाग पर शानदार शासन किया बल्कि पूरे भारतवर्ष में घूम-घूम धार्मिक एवं समाज सुधार के अनगिनत कार्यों को पूरा किया। विधानसभा मुंगराबादशाहपुर मे आयोजित कार्यक्रम मे पूर्व जिलाध्यक्ष गंगापर श्रीमती कविता पटेल ने कहा कि पुण्य श्लोका अहिल्याबाई होल्कर ने काशी विश्वनाथ से लेकर के सोमनाथ तक कई मंदिरों का जिर्णोद्धार कराया प्राचीनता और आधुनिकता का जो संगम उनके जीवन में था, आज देश उसे आदर्श मानकर आगे बढ़ रहा है। पूर्व प्रत्याशी मुंगराबादशाहपुर अजय शंकर दुबे ने कहा कि वीरता और मूल्यों की रानी देवी पुण्य श्लोका अहिल्याबाई होल्कर ने सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ-साथ गरीब, दलित, पिछड़े और उपेक्षित वर्गों के कल्याण के लिए जो नीतियां बनाई हैं वह आदर्श और प्रेरणादाई हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य व पार्टी पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे । उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने दी।

बेतरतीब वाहनो के निकालने से आए दिन लग रहा है जाम, पुलिस नदारत

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय चौराहा पर बने पुलिस बूथ पर शनिवार को किसी पुलिस कर्मी न रहने पर बेतरतीब वाहनों को निकालने के चक्कर में लोगो को भीषण जाम का सामना करना पड़ा। जाम में फंसे वाहनों को निकालने में स्थानीय लोगों को सामने आना पड़ा। यह सिलसिला लगभग एक घंटा तक चलता रहा। दोपहर 12 बजे पुलिस के पहुंचने पर लोगों को जाम से राहत मिली।सुबह 11 बजे तक यातायात ठीक ठाक चल रहा था। तभी पुलिस की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर खुटहन रोड और दीदारगंज रोड से आने जाने वाले वाहन यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते चौराहा पर पहुंच गए। इस बीच जौनपुर-शाहगंज रोड पर चलने वाहन चौराहा पर फंस गए। पहले निकलने के चक्कर में वाहनों का ऐसा जाम लगा कि पैदल निकलना मुश्किल हो गया। थोड़ी देर में नेशनल हाइवे समेत खुटहन रोड और दीदारगंज रोड पर वाहनों का तांता लग गया। काफी देर तक वाहनों का पहिया थम सा गया। जाम लगा देख स्थानीय लोगों ने एक एक तरफ से वाहनों को निकालने की कोशिश की। लगभग 12 पुलिस के पहुंचने पर यातायात सामान्य रूप से चालू हो पाया।